जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 224 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 18 जून, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस ने सचिन पायलट को ''फील्ड'' किया, जातिगत जनगणना को केवल दिखावा साबित करने के लिए

पायलट ने एआईसीसी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रैंस में कहा कि केवल बिहार चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने ''कास्ट सैन्सस'' को अपनाने का ''नाटक'' किया है, क्योंकि जात का भारी महत्व रहा है मतदान में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। कांग्रेस ने आज ओबीसी समुदाय के अपने प्रमुख नेताओं में से एक सचिन पायलट को आगे कर जातीय जनगणना के मुद्दे पर मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला तथा इससे जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस विषय पर गंभीर नहीं है और लोगों की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास कर रही है।

एआईसीसी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा कि केन्द्र सरकार, जो अब तक जातीय जनगणना को पूरी तरह नकारती रही, जिसमें स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे शहरी नक्सल का काम कहा था और राज्य मंत्री ने इसे स्वीकार करने से इनकार किया, वह भी राहुल गांधी और कांग्रेस के भारी दबाव में आकर आखिरकार इसे स्वीकारने को मजबूर हुई।

पायलट ने बताया कि सरकार द्वारा

- पायलट ने अपनी इस सोच के समर्थन में दो तर्क पेश किये। पहला तर्क है, केन्द्रीय सरकार ने देश भर में ''कास्ट सैन्सस'' कराने के लिए केवल 574 करोड़ रूपये का ही प्रावधान किया है, जबकि इस काम को ढंग से कराने के लिए 8 से 10,000 करोड़ रूपये की लागत आने का आंकलन है। इतना कम बजटीय प्रावधान, ''कास्ट सैन्सस'' कराने के बारे में केन्द्र सरकार के गैर गंभीर होने का प्रमाण है।
- पायलट का दूसरा तर्क है, केन्द्रीय सरकार 2027 में यह ''कास्ट सैन्सस'' कराना चाहती है। दो साल का विलंब क्यों? सचिन का कहना है, एक बार चुनाव हो जाए, उसके बाद ''कास्ट सैन्सस'' का मुद्दा आसानी से ठंडे बस्ते में डाल दिया जा सकता है, जैसे, महिला आरक्षण विधेयक ठंडे बस्ते में डाला हुआ है।

जारी की गई जनगणना अधिसूचना में जाति जनगणना का कोई उल्लेख नहीं है और इसके लिए बजट में महज 574 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है, जबकि इसकी वास्तविक लागत 8,000 से 10,000 करोड़ रूपए के बीच होगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि जातीय जनगणना तेलंगाना मॉडल पर हो, जहाँ विशेषज्ञों से सलाह लेकर ऐसा फॉर्मेट तैयार किया गया, जिसमें शैक्षिणक योग्यता, आर्थिक स्थिति, जीविका का स्वरूप, सरकारी नौकरियों में भागीदारी और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी शामिल की गईं।

सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक की तरह ही सरकार जाति जनगणना के मामले में भी आँख मिचाली खेल रही है और वास्तव में किसी भी वर्ग की वास्तविक स्थिति को समझने में उसकी कोई रुचि नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार केवल इसलिए यह प्रक्रिया चला रही है, क्योंकि बिहार में चुनाव नज़दीक हैं, जहाँ जाति सबसे बड़ा मुद्दा होता है और वहाँ के लोग अन्य बिन्दु से कहीं ज्यादा जाति के आधार पर ही मतदान करते हैं।

पायलट ने एक और अहम मुद्दा उठाया, जनगणना वर्ष 2027 में क्यों कराई जा रही है, जबकि इसमें अभी दो साल का समय शेष है। इससे स्पष्ट है कि सरकार इस मुद्दे को लगातार टाल रही है और इसमें उसकी कोई रुचि नहीं है। यह सिर्फ कांग्रेस के दबाव का नतीजा है कि सरकार को यह कदम उठाना पड़ा।

'कुछ देर में परीक्षा शुरु हो रही है, मामले की सुनवाई नहीं हो सकती'

जयपुर, 17 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस मुख्य परीक्षा 2024 में दखल देने से इनकार कर दिया है। अवकाशकालीन न्यायाधीश मनीष शर्मा की एकलपीठ ने मंगलवार को याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि कुछ देर में परीक्षा शुरु होने वाली है। ऐसे में अब मामले की सुनवाई नहीं की जा सकती हैं।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि आरपीएससी की ओर से 17 और 18 जुलाई को आरएएस भर्ती-2024 की मुख्य परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है,

- हाई कोर्ट ने आरएएस 2024 की परीक्षा में दखल देने से इंकार किया।

जबकि फिलहाल आरएएस भर्ती-2023 की भर्ती प्रक्रिया ही पूरी नहीं हुई है। इस समय, उस परीक्षा के वर्तमान में साक्षात्कार कर चले हैं। ऐसे में बीते साल की इस परीक्षा की प्रक्रिया पूरी होने तक आरएएस-2024 की मुख्य परीक्षा को स्थगित किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया कि प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री, एमएलए और एमपी मुख्य परीक्षा को स्थगित करने की सिफारिश कर चुके हैं। उनकी सिफारिशों को देखते हुए परीक्षा स्थगित होने के निर्णय का इंतजार करने के बाद अंतिम समय पर याचिका दायर की गई है। याचिका में यह भी कहा गया कि भारत-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप जी 7 शिखर वार्ता को बीच में छोड़कर अचानक अमेरिका रवाना हुए

वे ईरान-इज़रायल युद्ध में अमेरिका की भूमिका के बारे में अहम् निर्णय लेने की बात कहकर कैनडा से रवाना हुए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

ऑटवा,(कैनडा),17 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कैनडा की रॉकी पर्वत श्रृंखला के बीच स्थित बैनफ में हो रहे 7 शिखर सम्मेलन को अचानक छोड़ कर स्वदेश लौट गए, ताकि वे मध्य पूर्व में ईरान से जुड़े गंभीर और तात्कालिक हालात से निपट सकें। इससे पहले, इज़राइल ने ईरान के भीतर हमले कर उसके परमाणु हथियारों की क्षमताओं को नष्ट करने की कोशिश की थी।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए तेहरान के नागरिकों से सुरक्षा की खातिर तुरंत शहर छोड़ने की अपील की है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान के नागरिक भयभीत हैं और राजधानी एवं आसपास के इलाकों से कैस्पियन सागर की ओर पलायन कर रहे हैं। वहीं, पेट्रोल पंपों और जरूरी सामान की दुकानों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप इस समय ईरान संकट से जुड़े कुछ बेहद अहम फैसलों के बीच

- इज़रायल ने पिछली रात ईरान पर पुनः भारी अटैक किया तथा ईरान की न्यूक्लियर सुविधाओं को एकदम नेस्तानाबूद करने के कगार पर है।
- पर, धार्मिक शहर कोम के पर्वतों में जमीन के 250 से 300 फीट नीचे बनी सुरंगों में अभी भी ईरान के कुछ न्यूक्लियर प्रतिष्ठान सुरक्षित हैं।
- इन सुरंगों को नष्ट करने के लिए इज़रायल को अमेरिका द्वारा प्रदत्त ''बंकर बस्टिंग बम'' के इस्तेमाल की अनुमति की आवश्यकता है और ''बंकर बस्टिंग बम'' केवल अमेरिका के बी-52 विमान ही युद्ध स्थल तक ले जा सकते हैं, दागने के लिए।
- अभी तक अमेरिका ने इन बमों और बी-52 विमानों को ईरान के खिलाफ उपयोग में लाने के लिए अपनी इजाज़त नहीं दी थी।

में हैं। इज़राइल, ईरान के पवित्र शहर क़ोम के पास स्थित पहाड़ियों के अंदर बने सबसे महत्वपूर्ण परमाणु ठिकाने को तबाह करने की योजना पर विचार कर रहा है। सैटेलाइट चित्रों से पता चलता है कि ये ठिकाने लगभग 250 से 300 फीट गहराई में स्थित हैं।

इस संबंध में बंकर-बस्टिंग बमों (भूमिगत ठिकानों को नष्ट करने वाले विशेष बम) के इस्तेमाल पर विचार किया जा रहा है। केवल अमेरिका के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डस वॉटर ट्रीटी से प्राप्त सरप्लस पानी को राजस्थान तक लायेगी भारत सरकार

इसके लिए भारत सरकार 113 किलोमीटर लम्बी नहर बनायेगी, यह नहर चिनाब-रावी-ब्यास-सतलज नदियों को जोड़ते हुए जम्मू-कश्मीर का सरप्लस पानी, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की सूखी धरती तक पहुँचायेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। जल कूटनीति और रणनीतिक संसाधन योजना में उठाये गये एक बड़े कदम के तहत, भारत ने सिंधु नदी प्रणाली के अतिरिक्त जल की पाकिस्तान को होने वाली आपूर्ति पूरी तरह से रोकते हुए, देश में ही इसका और उपयोग करने की एक बड़ी योजना बनाई है।

सरकार जम्मू-कश्मीर से 113 किलोमीटर लंबी नहर बनाकर अतिरिक्त जल को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में मोड़ने की योजना बना रही है।

इसके साथ ही केन्द्र सरकार ने लंबे समय से लंबित उझ बहुउद्देश्यीय परियोजना को जम्मू के कठुआ में पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य जलविद्युत उत्पादन के साथ-साथ, सिंचाई और पेयजल की

- जैसा कि विदित ही है, वर्तमान में भारत का नहर सिस्टम, सतलज, ब्यास नदी का पानी इंदिरा गांधी नहर के मार्फत राजस्थान के गंगानगर इलाके तक पहुँचाता है।
- नई 113 किलोमीटर लंबी नहर भी इंदिरा गांधी नहर सिस्टम का उपयोग करते हुए अब इण्डस वैली वॉटर सिस्टम का सरप्लस पानी गंगानगर तक पहुँचायेगी।
- भारत सरकार बहुप्रतीक्षित व प्रस्तावित कथुआ हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजैक्ट को भी नए सिरे से शुरु करते हुए, कथुआ बाँध के पानी से बिजली ही पैदा करेगी, साथ ही इस बाँध के पानी का उपयोग सिंचाई व पीने के पानी की परियोजनाओं में काम में लेगी।

आपूर्ति बढ़ाना है। प्रस्तावित चिनाब-रावी-ब्यास-सतलज नहर इन नदियों के जल नेटवर्क को एक साथ जोड़ देगी, जिससे पाकिस्तान की ओर बहने वाले जल की मात्रा कम हो जाएगी।

शनिवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि ''सिंधु जल को प्रस्तावित नहर के माध्यम से राजस्थान के श्रीगंगानगर तक ले जाया जाएगा, तथा उसे वर्तमान में सतलज और ब्यास से जल ले जाने वाली इंदिरा गांधी नहर से जोड़ा जाएगा।''

मुख्यमंत्री आज सांचौर में

जालोर, 17 जून (कासं)। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 18 जून को जालोर जिले के दौरे पर रहेंगे।

प्राप्त कार्यक्रमानुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 18 जून को दोपहर 12.25 बजे पुलिस लाइन हैलीपेड राजसमन्द से हेलीकॉप्टर के माध्यम से रवाना होकर दोपहर 1.25 बजे हैलीपेड सीलू, सांचौर पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर 1.30

- वे सीलू घाट (नर्मदेश्वर) का पूजन व दर्शन करेंगे, फिर वंदे गंगा जल सरंक्षण जन अभियान के तहत सभा में शामिल होंगे।

बजे हैलीपेड से कार द्वारा रवाना होकर दोपहर 1.35 बजे सीलू घाट, सीलू पहुंचेंगे, जहां वे सीलू घाट (नर्मदेश्वर) पर पूजन एवं दर्शन करेंगे। इसके उपरांत वे दोपहर 1.50 बजे वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत कार्यक्रम व सभा में सम्मिलित होंगे। दोपहर 2.30 बजे सीलू घाट से हैलीपेड के लिए रवाना होंगे। दोपहर 2.35 बजे हैलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा उत्तरलाई एयरपोर्ट बाड़मेर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कच्चे तेल के परिवहन के लिए 100 टैंकर बनाएगा भारत

दस अरब डॉलर की लागत की इस परियोजना से भारत कच्चे तेल परिवहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जून। भारत की समुद्री स्वायत्तता को मजबूत करने और घरेलू जहाज़ निर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारत सरकार ने 85,000 करोड़ रु. (लगभग 10 अरब डॉलर) की लागत से देश के अंदर 100 से अधिक कच्चे तेल के टैंकरों के निर्माण को स्वीकृति दी है। 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत यह महत्त्वाकांक्षी परियोजना न केवल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगी, बल्कि कुछ औद्योगिक समूहों के लिए एक बड़ा बदलाव भी साबित हो सकती है।

इस आदेश का बड़ा हिस्सा भारत की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की शिपयार्ड कंपनियों, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सी.एस.एल.) और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एम.डी.एल.)-के साथ-साथ निजी क्षेत्र की स्वान डिफेंस एंड हैवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मिलने की संभावना है। जहाँ, सी.एस.एल. और एम.डी.एल. का, जटिल नौसेना व वाणिज्यिक जहाज परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने का रिकॉर्ड है, वहीं, स्वान डिफेंस (पूर्व में रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग) की भागीदारी निजी क्षेत्र की वापसी का संकेत देती है, जिसकी ऐतिहासिक संबद्धता अनिल अंबानी से रही है।

- टैंकरों के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र की शिपयार्ड कम्पनियों कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और मझगाँव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड के साथ-साथ निजी क्षेत्र की कम्पनी स्वॉन डिफैंस एण्ड हैवी इंडस्ट्रीज़ की भागीदारी होगी।
- कुछ आलोचकों का कहना है कि यह टैंकर भले ही सरकारी नियंत्रण में बनेंगे, इसका वास्तविक नियंत्रण धीरे-धीरे निजी हाथों में जा सकता है, खासकर रिलायंस और अडानी समूह के।

सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड की इस रणनीतिक भागीदारी का उद्देश्य औद्योगिक क्षमता का संतुलित वितरण करना है, जो समुद्री आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के सरकार के व्यापक प्रयासों को दर्शाता है।

इन टैंकरों का स्वामित्व सीधे शिपयार्ड या तेल कंपनियों के पास नहीं होगा, बल्कि स्पेशल पर्पज़ व्हीकल्स (एस.पी.वी.) के माध्यम से होगा। इन एस.पी.वी. में शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एस.सी.आई.), सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों और वित्तीय संस्थानों की हिस्सेदारी होगी। हालांकि, परियोजना की कुल पूंजी का लगभग 70 प्रतिशत ऋण के माध्यम से जुटाया जाएगा, जिससे निजी वित्त पोषकों को अवसर मिलेगा और संभावित रूप से इन महत्वपूर्ण मैरिटाइम एसैट्स (समुद्री परिसंपत्तियों) पर अप्रत्यक्ष निजी नियंत्रण भी बन सकता है।

हालांकि यह योजना सरकारी नेतृत्व में है, लेकिन इसका वास्तविक लाभ देश के दो सबसे बड़े व्यापारिक समूहों-रिलायंस इंडस्ट्रीज़ और अडानी ग्रुप-को मिल सकता है।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस को अनेक माध्यमों से लाभ होने की संभावना है। स्वान डिफैंस की भागीदारी, इसके पूर्व के संबंधों के माध्यम से 2 जहाज निर्माण अनुबंध मिलने् की संभावना को दर्शाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि, जामनगर स्थित रिलायंस की विशाल रिफाइनिंग गतिविधियाँ, इन नए टैंकरों में से कई को चार्टर करेंगी, जिससे कच्चे तेल के परिवहन पर कंपनी का संचालन नियंत्रण हो सकता है।

दूसरी ओर, गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह को, विशेष रूप से अडानी पोट्र्स (जैसे मुंद्रा पोर्ट)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी की तबियत में सुधार

नयी दिल्ली, 17 जून। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी के निजी सर गंगाराम अस्पताल के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि श्रीमती गांधी के पेट के संक्रमण में सुधार हो रहा है और उन्हें स्वास्थ्य लाभ हुआ है।

गांधी को पेट में दर्द की शिकायत के कारण रविवार रात यहां सर गंगाराम

- सर गंगाराम अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी के पेट का संक्रमण ठीक हो रहा है।

अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि 78 वर्षीय श्रीमती गांधी को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है।

गांधी की पिछले सप्ताह भी अस्पताल में स्वास्थ्य जांच की गयी थी।

शुरु से लग रहा था, पता नहीं क्या गुल खिलायेंगे ट्रंप कैनडा में आयोजित जी7 सम्मेलन में

इससे पहले जब कैनडा में ही जी7 की बैठक हुई थी, ट्रंप ने मीटिंग के अन्त में तैयार ''जॉइन्ट स्टेटमैंट'' पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था तथा अपुष्ट समाचार था, उस ''जॉइन्ट स्टेटमैंट'' को फाड़ कर फेंक दिया था

-अजंय रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

ऑटवा,(कैनडा), 17 जून। दुनिया के सबसे विशिष्ट और प्रभावशाली क्लब कहे जाने वाले जी7 समूह की बैठक आज से कैनडा के खूबसूरत रॉकी पर्वतीय क्षेत्र में शुरू हो रही है। हालांकि इस बार सम्मेलन से उम्मीदें अपेक्षाकृत कम रखी गई हैं। कहा जा रहा है कि मेज़बान कैनडा ने, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के अनिश्चित और अप्रत्याशित व्यवहार को देखते हुए, बैठक के अंत में किसी साझा घोषणा पत्र की उम्मीद को त्याग दिया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जी7 बैठक में आमंत्रित किया गया है, हालांकि भारत इस समूह का सदस्य नहीं है। शुरुआत में भारत की भागीदारी को लेकर कुछ अनिश्चितता थी, लेकिन कई जी7 सदस्य देशों के आग्रह पर मोदी को आमंत्रण भेजा गया, क्योंकि इस बार का एजेंडा वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर केन्द्रित है

भारत और कैनडा के संबंध पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में खालिस्तानी मुद्दे को लेकर तनावपूर्ण हो गए थे। लेकिन अब नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, जो बैंक ऑफ कैनडा और बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर

- तभी से ट्रंप के बारे में यह आम धारणा बनी हुई है कि वे जिस भी कमरे में हों, वहाँ सबसे ''डॉमिनैंट व्यक्ति'' (प्रभावशाली व्यक्ति) होना चाहते हैं तथा दूसरों को उनकी बात स्वीकार कराना ही उनका बड़ा ध्येय होता है।
- पर, कैनडा में आयोजित वर्तमान जी7 सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉं जैसे नेता भी हैं, जो अमेरिका में वाइट हाउस में ट्रंप के दफ्तर में ट्रंप को आईना दिखाकर बाहर आये थे। इन हालात में शिखर सम्मेलन में काफी आतिशबाजी होने की आशंका थी।

भी रह चुके हैं, ने व्यक्तिगत रूप से मोदी को फोन कर इस सम्मेलन में आमंत्रित किया।

जी7 के शिखर सम्मेलन में आर्थिक मुद्दों पर केन्द्रित लघु मीटिंग्स होंगी, जिनमें वैश्विक व्यापार, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, टैरिफ और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

भारत के लिए यह सम्मेलन महत्वपूर्ण हो सकता है, विशेषकर व्यापार और शुल्क के मुद्दों पर प्रगति हासिल करने के लिए। ट्रंप द्वारा भारत पर पारस्परिक शुल्क लागू किए जाने के बाद मोदी और ट्रंप यहाँ व्यक्तिगत रूप से पहली बार मिलेंगे। ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि भारत के साथ व्यापार समझौता जल्द ही हो सकता है और इस मंच पर किसी ठोस प्रगति की घोषणा उनके लिए चुनावी दृष्टि से भी फायदेमंद हो सकती है।

ट्रेड अमेरिकी राष्ट्रपति का ट्रंप कार्ड है। वे व्यापार गतिरोध को तोड़ने के अपने सौदों पर अड़ जाते हैं। वे अक्सर समझौतों की भी जल्दबाज़ी में, समय से पहले ही, घोषणा कर देते हैं।

ट्रंप की नाटकीय शैली से अलग इस बार का जी7 सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध और अस्थिरता से दुनिया को गंभीर खतरे हैं। इज़राइल और ईरान के बीच संघर्ष के अचानक तेज़ होने से वैश्विक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग का अपहरण, दुष्कर्म करने वाले को 10 साल की सजा

जयपुर, 17 जून। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने करीब 14 साल की नाबालिग विवाहिता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त नितिन कुमार को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने 24 वर्षीय इस अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में नाबालिगों के साथ लैंगिक अपराध बढते जा रहे हैं। ऐसे में अदालत का कर्तव्य है कि अभियुक्त को उसके किए गए अपराध के लिए दंडित करे।

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने सजा के साथ एक लाख रूपये जुर्माना लगाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उदय होते समय सूर्य लाल होता है और अस्त होते समय भी।
इसी प्रकार संपत्ति और विपत्ति के समय महान पुरुषों में एकरूपता होती है।
–कालिदास

सोलह साल बाद हो रही जनगणना में जातियां भी गिनी जाएंगी

केंद्र सरकार ने नयी जनगणना की अधिसूचना जारी कर दी है। इस बार जनगणना 10 वर्षों की बजाय 16 वर्षों के अंतराल से हो रही है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। प्रति दस वर्ष में होने वाली यह कवायद 2021 में होनी थी किन्तु कोविड महामारी के दौर में उसे स्थगित कर दिया गया। गृह मंत्रालय ने जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधान के अनुरूप सोमवार को राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कर संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना का कार्यक्रम घोषित किया है। इस बार की जनगणना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसमें नागरिकों की जातिवार गणना भी की जाएगी। देश या क्षेत्र विशेष की आबादी के बारे में जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सामाजिक आंकड़े इकट्ठा करने, उसके संकलन, विश्लेषण और सार्वजनिक करने को जनगणना कहा जाता है। देश में रहने वाले लोगों के विकास के लिए यह जानना ज़रूरी होता है कि लोग कौन हैं, वो किस स्थिति में हैं, कितने पढ़े-लिखे हैं, कौन क्या करते हैं, कितने लोगों के पास रहने को घर हैं, कितनों के पास नहीं हैं, उनकी सामाजिक स्थिति क्या है आदि के उत्तर दर्ज किए जाते हैं। जनगणना इन्हीं सब आंकड़ों को जुटाने की प्रक्रिया होती है। इन आकड़ों का इस्तेमाल नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं बनाने के लिए किया जाता है। इस बार जातियों की गणना के साथ-साथ जनगणना दो चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। देश के ज़्यादातर हिस्सों में जनगणना के लिए 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे को आधार तारीख़ माना जाएगा। वहीं, ठंडे और बर्फबारी वाले इलाकों जैसे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जनगणना की तारीख 1 अक्तूबर 2026 तय की गई है। जनगणना 2011 में देश की जनसंख्या 1210.19 मिलियन थी, जिसमें 623.72 मिलियन (51.54 प्रतिशत) पुरुष और 586.46 मिलियन (48.46 प्रतिशत) महिलाएं थीं। भारत में अंग्रेजों के शासन काल में 1872 से जनगणना हो रही है। इस बार की जनगणना में जाति का नया आयाम जुड़ा है। हालांकि भारत में जाति गणना का इतिहास बहुत पुराना है। ब्रिटिश औपनिवेशिक प्रशासन ने 1881 से 1931 के बीच हर दशक में आयोजित जनगणना प्रक्रिया में जाति गणना को शामिल किया था। इन सर्वेक्षणों ने विस्तृत जनसांख्यिकीय डेटा एकत्र करते हुए जनसंख्या को जाति, धर्म और व्यवसाय के आधार पर वर्गीकृत किया। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से भारत की जटिल सामाजिक संरचना को समझने और उस पर शासन करने की औपनिवेशिक आवश्यकता से प्रेरित थी। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, 1951 में स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने एक महत्वपूर्ण बदलाव किया। तत्कालीन सरकार ने अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को छोड़कर जाति गणना को बंद करने का फैसला किया। यह निर्णय इस विश्वास पर आधारित था कि जाति पर ध्यान केंद्रित करने से विभाजन को बढ़ावा मिल सकता है और एक नए स्वतंत्र राष्ट्र में राष्ट्रीय एकता में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके एक दशक बाद, 1961 में, केंद्र सरकार ने राज्यों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की राज्य-विशिष्ट सूचियां तैयार करने के लिए अपने स्वयं के सर्वेक्षण करने की अनुमति दी। एससी और एसटी से परे सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े समूहों के लिए सकारात्मक कार्रवाई की मांगों पर ऐसा किया गया। इसके लिए हालांकि, कोई राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना नहीं की गई।

बाद में जाति जनगणना एक राजनीतिक मुद्दे में बदल गई। केंद्र सरकार की नौकरियों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की मंडल आयोग की सिफारिश ने जाति को फिर से राजनीतिक सुर्खियों में ला दिया। व्यापक जाति डेटा की कमी ने ओबीसी आबादी की सटीक पहचान और मात्रा निर्धारित करना चुनौतीपूर्ण बना दिया, जिससे जाति जनगणना की मांग बढ़ गई। इसी के चलते 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लोकसभा को आश्वासन दिया था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाएगा। इस विषय पर विचार-विमर्श के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था और अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना कराने की सिफारिश की थी। मगर तत्कालीन कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने जाति जनगणना के बजाय सर्वेक्षण का विकल्प चुना, जिसे सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) के रूप में जाना जाता है। यूपीए सरकार ने 2011 की जनगणना में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना आयोजित की, जो 1931 के बाद से देश भर में जाति डेटा एकत्र करने का पहला प्रयास था। हालांकि उसमें प्राप्त जाति डेटा को कभी भी पूरी तरह से जारी या उपयोग नहीं किया गया। राष्ट्रीय जाति जनगणना की अनुपस्थिति में, बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों ने हाल के वर्षों में अपने स्वयं के जाति सर्वेक्षण किए हैं। इन सर्वेक्षणों का उद्देश्य राज्य-विशिष्ट आरक्षण नीतियों और कल्याण कार्यक्रमों के लिए डेटा एकत्र करना था। संविधान के अनुच्छेद 246 के अनुसार, जनगणना सातवीं अनुसूची में संघ सूची में 69वें स्थान पर सूचीबद्ध विषय है। गत 30 अप्रैल को केंद्र सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि हालांकि कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण किए हैं, लेकिन इन सर्वेक्षणों में पारदर्शिता और उद्देश्य अलग-अलग रहे हैं, कुछ सर्वेक्षण पूरी तरह से राजनीतिक दृष्टिकोण से, समाज में संदेह पैदा करने के लिए किए गए हैं। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीतिक दबाव में न आए, यह निर्णय लिया गया है कि जाति गणना को अलग सर्वेक्षण के रूप में आयोजित करने के बजाय मुख्य जनगणना में शामिल किया जाए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत हो और देश की प्रगति बिना किसी बाधा के जारी रहे।

इस बार जनगणना में डिजिटल माध्यम का भी उपयोग होगा। देर से हो रही जनगणना के आंकड़ों का नीति निर्माताओं तथा अर्थशास्त्रियों को ही इंतजार नहीं होगा बल्कि समाजशास्त्रियों और सामाजिक संगठनों की भी उन पर नजर होगी। भारत की तीव्र आर्थिक विकास की गति और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद के दौर में हो रही इस जनगणना के आंकड़े आधुनिक भारत की नई पहचान भी दे सकते हैं।

यह सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि जाति जनगणना क्यों मायने रखती है? जाति जनगणना एक जनसांख्यिकीय प्रयास से कहीं अधिक है। यह गहरे सामाजिक निहितार्थों वाला एक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा है। जनगणना में जाति को शामिल करने से आरक्षण नीतियों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय पहलों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। यह चुनावी रणनीतियों को भी नया रूप दे सकता है, क्योंकि पार्टियां विभिन्न जाति समूहों से समर्थन पाने की होड़ में लगी रहती हैं। जाति जनगणना के समर्थक यह मानते हैं कि भारत में आवश्यक सेवाओं – शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा – तक पहुंच का एक बड़ा हिस्सा जाति, क्षेत्र, धर्म और आर्थिक स्थिति की संरचनात्मक असमानताओं से प्रभावित होता है। इन अंतर-असमानताओं को उजागर करने और ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों, जो वास्तव में न्यायसंगत और समावेशी हों, को डिजाइन करने के लिए जाति जनगणना महत्वपूर्ण हो सकती है तथा सटीक जातिगत डेटा मौजूदा सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करने के लिए शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण जैसी सकारात्मक कार्रवाई की नीतियां बनाने में मदद कर सकता है। कई लोग जाति जनगणना को हाशिए पर पड़े समुदायों की पहचान करने और उनके उत्थान के लिए ज़रूरी मानते हैं, लेकिन अन्य लोग यह भी चेतावनी देते हैं कि इससे जातिगत पहचान मजबूत हो सकती है और समाज का विभाजन गहरा हो सकता है।

ऐसा माना जाता है कि जाति प्रथा सिर्फ हिंदुओं में ही होती है। मगर भारत में ऐसा नहीं है। इस्लाम में सैद्धांतिक रूप से जाति नहीं होती, लेकिन भारतीय उपमहाद्वीप के मुसलमानों में जातिगत श्रेणियां मौजूद हैं। जैसे अशराफ (सैयद, पठान, शेख, मुगल जैसी उच्च जातियां) जिन्हें अरब मूल का माना जाता है। सामान्य जातियां अजलाफ वे हैं जो आमतौर पर स्थानीय धर्म परिवर्तित लोग हैं। तीसरी अरज़ल जो निम्न माने जाने वाले समुदाय हैं जैसे भंगी या मेहतर, जिनका सामाजिक स्तर बहुत निम्न माना जाता है। दलित मुसलमानों को अब भी सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। ईसाई धर्म में भी समानता का सिद्धांत है, लेकिन भारत में दलित ईसाई, ऊंची जाति के ईसाई (जैसे नायर, ब्राह्मण ईसाई), और आदिवासी ईसाई के बीच भेदभाव देखा गया है। चर्चों में भी कभी-कभी ऊंची और नीची जाति के लिए अलग बैठने की व्यवस्था या कब्रगाहें होती हैं। दलित ईसाइयों को कभी-कभी समान नेतृत्व वाली भूमिकाएं नहीं मिलतीं हैं।

भले ही जनगणना के लिए संदर्भ तिथियां एक अक्टूबर, 2026 (बर्फीले क्षेत्रों के लिए) और एक मार्च, 2027 (शेष भारत के लिए) हैं, लेकिन घरों की सूची बनाने का चरण अप्रैल 2026 तक शुरू होने की संभावना है। इससे पहले, गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों को जनगणना प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनगणना 2027 के क्षेत्र में निर्बाध निष्पादन सुनिश्चित करके जनगणना को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए प्रशिक्षण, एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। शीर्ष स्तर पर, कम से कम 100 राष्ट्रीय प्रशिक्षक होंगे। राष्ट्रीय प्रशिक्षकों को जनगणना और प्रशिक्षक विकास कौशल दोनों पर प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि अगले स्तर यानी मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया जा सके। लगभग 1800 मास्टर ट्रेनर फील्ड ट्रेनर को प्रशिक्षण देंगे। लगभग 45,000 फील्ड ट्रेनर फील्ड कार्यकर्ताओं यानी गणनाकर्ताओं और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षित किए जाएंगे। फील्ड ट्रेनर उप-जिला स्तर पर लगभग 30 लाख गणनाकर्ताओं और उनके पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। ये गणनाकर्ता और पर्यवेक्षक निर्दिष्ट स्थानों पर घर-घर जाकर गणना करेंगे। इस बार जनगणना में डिजिटल माध्यम का भी उपयोग होगा। देर से हो रही जनगणना के आंकड़ों का नीति निर्माताओं तथा अर्थशास्त्रियों को ही इंतजार नहीं होगा बल्कि समाजशास्त्रियों और सामाजिक संगठनों की भी उन पर नजर होगी। भारत की तीव्र आर्थिक विकास की गति और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद के दौर में हो रही इस जनगणना के आंकड़े आधुनिक भारत की नई पहचान भी दे सकते हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

हर बूँद में जीवन, हर जन में भागीदारी: राजस्थान में जल जन अभियान-2025 की लहर

मीनल जीनगर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2025 करोड़ों राजस्थानियों को जल संरक्षण, पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करने और जमीनी स्तर पर भागीदारी, सार्वजनिक जागरूकता और नीति नवाचार के माध्यम से एक धारणीय भविष्य का निर्माण करने के लिए एकजुट मिशन में जुटा रहा है। क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान अपनी शुष्क जलवायु, अनियमित वर्षा और घटते भूजल के कारण गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, एक महत्वपूर्ण अभियान है जिसका उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी, वैज्ञानिक नियोजन और विकेंद्रीकृत शासन के माध्यम से राज्य में जल प्रबंधन को बदलना है जिसे राजस्थान सरकार ने सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट और पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन के साथ साझेदारी में शुरू किया था।

राजस्थान ऐतिहासिक रूप से जल-संकटग्रस्त राज्य रहा है जहाँ कई जिलों को भूजल के अत्यधिक दोहन की श्रेणी में चिह्नित किया गया है। वर्षा न केवल कम होती है, बल्कि असमान रूप से वितरित होती है जिससे सतही जल की उपलब्धता भी बेहद कम हो जाती है। राज्य में बावड़ी, कुंड, जोहड़ और टांका जैसे पारंपरिक जल-संग्रहण प्रणालियों की समृद्ध विरासत रही है किंतु इनका अधिकांश हिस्सा अब जर्जर अवस्था में है या उपयोग से बाहर हो चुका है। इसके अतिरिक्त अतिक्रमण, उपेक्षा और सामुदायिक उत्तरदायित्व की कमी ने इन संरचनाओं की प्रभावशीलता को घटा दिया है। यह अभियान जनसहभागिता के माध्यम से इन प्राचीन जल-संरचनाओं का पुनरुद्धार और पुनर्जीवित करने का प्रयास है।

यह अभियान मुख्यमंत्री जनलाल शर्मा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के अवसर पर 5 जून, 2025 को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया गया। यह शुभारंभ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यशाला के माध्यम से हुआ, शुभारंभ समारोह के बाद मुख्यमंत्री ने जमवा रामगढ़ के रामगढ़ बांध क्षेत्र में स्वयं श्रमदान कर अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने का संदेश दिया और राज्य के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर वैदिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। यह अभियान आधिकारिक रूप से 5 जून से 20 जून तक चलेगा जो 15 दिनों तक जनभागीदारी की सघन गतिविधियों से भरपूर होगा।

जल जन अभियान का मूल उद्देश्य सामुदायिक स्वामित्व, वैज्ञानिक जल बजट निर्धारण, और पारंपरिक जल-बुद्धि के पुनरुद्धार जैसे सिद्धांतों में निहित है। यह अभियान कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। बावड़ियों, कुंडों, जलाशयों, जोहड़ों और बांधों जैसे पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन किया जाएगा। इसमें रामगढ़ बांध जैसे ऐतिहासिक स्थलों को भी शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में जल धारण क्षमता और भूजल स्तर में वृद्धि सुनिश्चित करना है।

'कर्मभूमि से मातृभूमि' तक की जल सरंचना पहल :- संरक्षण हेतु जल संरचनाओं का निर्माण और पुनर्निर्माण जिसमें एनीकट, चेकडैम, बंध, फार्म तालाब और जल संचयन से जुड़ी अन्य संरचनाएँ शामिल हैं। अगले चार वर्षों में 45,000 से अधिक संरचनाएँ बनाई/मरम्मत की जाएेगी जिसमें पहले वर्ष में 5,000 निर्माण का लक्ष्य है।

भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा :- शुष्क और अति-शोषित क्षेत्रों में भूजल स्तर को स्थिर और मजबूत करने के लिए सतही जल का बहाव रोकना, जलाशयों की गाद हटाना, और बोरवेल पुनर्भरण को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहले ही दिन 345 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की नींव रखी और उद्घाटन किया जिससे मानसून से पहले जल धारण क्षमता बढ़ेगी।

जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण :- नदियों, झीलों, कुओं और बावड़ियों की सफाई के लिए राज्यव्यापी अभियान चलाया जाएगा। बड़े संस्थानों और नगरों में अपशिष्ट जल उपचार परियोजनाएँ शुरू की जाएंगी ताकि जल स्त्रोत प्रदूषित न हों।

जनजागरूकता और भागीदारी को बढ़ावा :- जन सहभागिता के लिए श्रमदान, नुक्कड़ नाटक, गीत, फिल्में, पौधारोपण, कलश यात्राएँ और सामुदायिक संकल्प कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों को सक्रिय रूप से अभियान से जोड़ा जा रहा है।

संस्थागत और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहन :- पंचायतों, स्कूलों, महिला समूहों (जैसे आंगनबाड़ी/राजीविका), धार्मिक नेताओं और सीएसआर/दानदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। प्रत्येक ग्राम पंचायत को पानी पंचायत योजना तैयार करने का दायित्व दिया गया है जो स्थानीय जल विज्ञान और मांग के अनुसार आधारित होगी। ग्रामीणों को जल लेखा, जल संतुलन और जलवायु-प्रतिकारक योजना में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

पारिस्थितिक क्रियाओं को सांस्कृतिक श्रद्धा से जोड़ना :- विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा जैसे पावन अवसरों से अभियान का शुभारंभ किया गया है। घाटों और मंदिरों में कलश यात्रा और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित कर जल के प्रति भावनात्मक-सांस्कृतिक संबंध को सुदृढ़ किया जा रहा है।

मूल्यांकन, निगरानी और समन्वय में सुधार :- अभियान की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन प्रगति का मूल्यांकन, विभागीय समन्वय और सोशल मीडिया प्रचार किया जा रहा है। जल संकटग्रस्त क्षेत्रों और पुनर्भरण स्थलों की पहचान जीआईएस और रिमोट सेंसिंग तकनीकों से की जा रही है। जल उपयोग और कार्य प्रगति की निगरानी के लिए मोबाइल ऐप्स और डैशबोर्ड भी शुरू किए गए हैं।

दीर्घकालिक नीतिगत समन्वय :- जल सुरक्षा को स्थायी बनाने के लिए इस अभियान को पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ परियोजना (राम जल सेतु योजना) जैसी प्रमुख दीर्घकालिक परियोजनाओं से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में इस योजना का पहला चरण 9,400 करोड़ रूपए की लागत से एलिवेटेड कैनाल प्रोजेक्ट-वन विभाग से स्वीकृत हुआ है जिससे 17 जल-संकटग्रस्त जिलों को चंबल का जल मिलेगा।

शहरी स्वच्छता और जल गुणवत्ता में सुधार :- अस्पतालों में सीवेज उपचार संयंत्र, धूल नियंत्रण हेतु सड़क पर पानी का छिड़काव, ई-वेस्ट संठाहण वाहन, और रासायनिक प्रदूषण से प्रभावित जल का उपचार जैसी पहलें शुरू की गई हैं।

आज की एक बूँद, कल का भविष्य :- जल जन अभियान-2025 केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी आंदोलन है जो यह परिभाषित करता है कि राजस्थान जल को कैसे मूल्य देता है, संरक्षित करता है, और भावनात्मक रूप से उससे जुड़ता है। उस प्रदेश में जहाँ हर वर्षा की बूँद आशा और अस्तित्व का प्रतीक है, यह पहल न केवल सदियों पुरानी परंपराओं को फिर से जीवित कर रही है बल्कि नवाचार को गाँव-गाँव तक पहुँचा रही है और लाखों लोगों को "जल संरक्षण -जल जीवन" के एकजुट ध्येय में बाँध रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दृढ़ और दूरदर्शी नेतृत्व में यह अभियान केवल फाइलों और वादों तक सीमित नहीं रहा। इसने जीवन को छुआ है, नदियों को फिर से जीवंत किया है, भूले-बिसरे जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित किया है और सबसे महत्वपूर्ण बात-सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को जाठात किया है। सरकारी कर्मचारियों से लेकर किसानों तक, विद्यार्थियों से लेकर संतों तक, ग्राम पंचायतों से लेकर शहरी नागरिकों तक-हर कोई इस मिशन का भागीदार बन चुका है।

हर साफ की गई टंकी, हर मरम्मत हुआ एनीकट और हर संजोई गई बूँद-यह सभी सामूहिक प्रयासों की शक्ति का प्रमाण हैं। श्रमदान, पौधारोपण, कलश यात्रा, नुक्कड़ नाटक, और जागरूकता रैलियों के माध्यम से यह अभियान केवल जल स्त्रोतों को नहीं बल्कि सामाजिक ताने-बाने, सांस्कृतिक गौरव और पर्यावरणीय चेतना को भी पुनर्जीवित कर रहा है। यह केवल ढांचागत विकास नहीं, यह मानसिकता का परिवर्तन है। यह लोगों को अपने संसाधनों का स्वामी बनाने का आंदोलन है, यह युवाओं को प्रकृति का रक्षक बनने की प्रेरणा देता है, यह दिखाता है कि स्थायी विकास की नींव गाँवों से शुरू हो सकती है। जैसे-जैसे राजस्थान भविष्य की ओर बढ़ता है, जल जन अभियान की विरासत पीढ़ियों तक प्रतिध्वनित होगी, न केवल बहती नदियों या भरे तालाबों में, बल्कि हर बूँद के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व की संस्कृति में।

"जल है तो कल है।"

जल ही जीवन है, जल ही भविष्य है। और जब हम जल को बचाते हैं, तो हम केवल एक संसाधन नहीं-बल्कि अपनी पहचान, समृद्धि और अपनी संतानों का कल सुरक्षित करते हैं।

हर नागरिक जल संरक्षक बने।
हर गाँव में गूँजे जल रक्षा की भावना।
समय अब है।
मिशन हमारा है।

सुश्री मीनल जीनगर
सहायक जनसम्पर्क अधिकारी, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग।

विश्व बैंक की पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ रिपोर्ट भारत में गरीबी उन्मूलन का एक दशक

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने ग्यारह साल के शासन को सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित किया है । निश्चित ही अगर गरीब कल्याण की बात की जाए तो पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसकी पुष्टि विश्व बैंक की हालिया जारी रिपोर्ट पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ ने की है। यह रिपोर्ट भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य में आए सकारात्मक बदलावों को रेखांकित करती है, जो नीतिगत सुधारों, सरकारी योजनाओं और समावेशी विकास के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता का परिणाम है।

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2011-12 से 2022-23 के बीच भारत ने लगभग 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है । इस एक दशक में अत्यधिक गरीबी दर 27.1 फीसदी से घटकर 5.3 फीसदी रह गई है। यह अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो न केवल भारत की आर्थिक प्रगति को दर्शाती है, बल्कि सामाजिक समावेश और समृद्धि के क्षेत्र में भी देश की मजबूत स्थिति को उजागर करती है। इस ब्रीफ के विश्लेषण से गरीबी में कमी, ग्रामीण-शहरी असमानता में कमी और सरकारी योजनाओं की भूमिका को समझा जा सकता है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अत्यधिक गरीबी (प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम आय पर आधारित) 2011-12 में 16.2 फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3 फीसदी हो गई है। इसके अतिरिक्त विश्व बैंक ने अपनी गरीबी रेखा को संशोधित कर तीन डॉलर प्रतिदिन (2021 की कीमतों के आधार पर) कर दिया है, जिसके तहत 2022-23 में गरीबी दर 5.3 फीसदी रही। इस दौरान लगभग 26.9 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले, जो भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रगति भारत की आर्थिक नीतियों और सामाजिक कल्याण योजनाओं की सफलता को दर्शाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में कमी विशेष रूप से प्रभावशाली रही है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण अत्यधिक गरीबी 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी रह गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 10.7 फीसदी से घटकर 1.1 फीसदी रहा है। इससे ग्रामीण-शहरी गरीबी का अंतर 7.7 फीसदी से घटकर 1.7 फीसदी हो गया, जो 16 प्रतिशत की वार्षिक कमी को दर्शाता है। यह बदलाव भारत सरकार की उन योजनाओं का परिणाम है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, रोजगार और सामाजिक सेवाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित रही हैं।

विश्व बैंक की रिपोर्ट केवल आर्थिक गरीबी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के माध्यम से गैर-मौद्रिक गरीबी में कमी को भी रेखांकित करती है। एमपीआई स्वास्थ्य, शिक्षा, और जीवन स्तर जैसे कारकों को ध्यान में रखता है। 2005-06 में भारत में बहुआयामी गरीबी 53.8 फीसदी थी, जो 2019-21 तक घटकर 16.4 फीसदी और 2022-23 में 15.5 फीसदी हो गई। यह कमी दर्शाती है कि भारत न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक स्तर पर भी प्रगति कर रहा है।

गरीब आदमी तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में लगभग सार्वभौमिक कवरेज, और स्वच्छता सुविधाओं में सुधार ने इस प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उदाहरण के लिए, विश्व बैंक समूह के सहयोग से भारत सरकार का राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और छोटे उद्यमों के लिए वित्तपोषण तक पहुंच प्रदान करने में सफल रहा है। इस मिशन के तहत 16.43 करोड़ अमेरिकी डॉलर के 100,000 से अधिक ऋण महिला-स्वामित्व वाले उद्यमों को प्रदान किए गए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिला है।

भारत सरकार ने पिछले एक दशक में कई ऐसी योजनाएं लागू की हैं, जिन्होंने गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में मुफ्त और रियायती खाद्यान्न हस्तांतरण, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और रोजगार सृजन योजनाओं को गरीबी में कमी का प्रमुख कारक बताया गया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए, जिससे ग्रामीण गरीबी में कमी आई। विशेष रूप से, छोटे और सीमांत किसानों की आय में 2013 और 2019 के बीच 10 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना ने गरीब परिवारों को मुफ्त चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करके स्वास्थ्य संबंधी खर्चों का बोझ कम किया।

विश्व बैंक की रिपोर्ट में रोजगार वृद्धि को भी गरीबी में कमी का एक प्रमुख कारक बताया गया है। 2021-22 से रोजगार दर में सुधार देखा गया है, विशेष रूप से महिलाओं के बीच। शहरी बेरोजगारी 2024-25 की पहली तिमाही में 6.6 फीसदी तक घट गई, जो 2017-18 के बाद सबसे कम है। स्वरोजगार, खासकर ग्रामीण श्रमिकों और महिलाओं के बीच बढ़ रहा है, जो आर्थिक आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद लचीलापन दिखाया है। विश्व बैंक ने अपनी नेविगेटिंग द स्टॉर्म रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि 2022-23 में भारत की जीडीपी वृद्धि 6.9 फीसदी होगी, जबकि यह 7.2 फीसदी रही जो अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बहुत मजबूत है। निजी खपत और निवेश में वृद्धि साथ ही सरकार के पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के प्रयासों ने घरेलू मांग को समर्थन दिया है।

भारत ने गरीबी उन्मूलन में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद चुनौतियां कम नहीं हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि उपभोग में असमानता (गिनी सूचकांक 35 के स्तर पर) और बाल कुपोषण (35.5 फीसदी बच्चे अविकसित) अभी भी चिंता का विषय हैं। इसके अलावा श्रमबल में महिलाओं की कम भागीदारी और उच्च शिक्षा प्राप्त स्नातकों में बेरोजगारी (29 फीसदी) जैसी समस्याओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत सरकार की नीतियां और विश्व बैंक जैसे संस्थानों का सहयोग इन चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शिक्षा, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश को और बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि यह प्रगति सतत और समावेशी बनी रहे।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक है।)

राशिफल बुधवार 18 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र रात्रि 9:45 तक, शोभन योग रात्रि 11:47 तक, गर करण प्रातः 9:50 तक, चन्द्रमा रात्रि 9:45 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 9:50 तक है। सर्वार्थ सिद्धि सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। कुमार योग रात्रि 9:45 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 8:35 से आरम्भ होगी। पंचक रात्रि 9:45 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:20 तक, लाभ अमृत 7:20 से 10:45 तक, शुभ 12:28 से 2:11 तक, चर 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

वृष

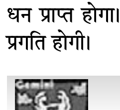

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन

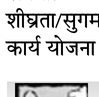

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

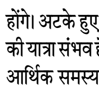

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

कन्या

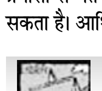

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

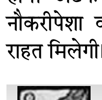

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

वृश्चिक

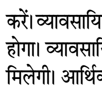

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

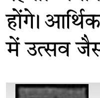

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

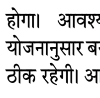

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

संक्षिप्त

कुंड का मूल स्वरूप लौटने लगा

करौली। रंग शाही कुंड का मूल स्वरूप लौटने लगा। करौली विकास मंच के संयोजक बबलू शुक्ला ने बताया कि करौली का शाही कुण्ड अपनी दुर्द'ाा पर आसू बाह रहा था जिसकी सार सभाल के लिए कोई प्रयासरत नही था जिस पर करौली विकास मंच एव युवा सेवा संघ परिवार ने बीडा उठाया और शासन प्र'ाासन सहित नगरपरिषद प्र'ाासन के अधिकारियो व जनप्रतिनिधियो से मुलाकात कर शाही कुण्ड पर श्रमदान सेवा कार्य हमारी टीम द्वारा किया गया जिससे कुण्ड का मूल स्वरूप् लोटने लगा है उन्होने बताया कि अब वर्षा ऋतु मे इस शाही कुण्ड में लबालब पानी होगा,पक्षियों का कलरव होगा जीवो को जल मिलेगा उस दिन हम गर्व से कहेंगे कि हां हमने भी कभी इस करौली की गौरवशाली ऐतिहासिक पुरातात्विक धरोहर स्थल शाही कुण्ड के संरक्षण एवं सुरक्षित रहने में श्रमदान, सेवा कार्य कर योगदान दिया। उन्होने कहा कि सेवा सहयोग कार्य किसी व्यक्ति अथवा वर्ग का नहीं अपितु योग्यता अनुसार सम्पूर्ण समाज का होता है। जितना कार्य वह कर सके निस्वार्थ भाव से समाज,राज्य एवं राष्ट्रिहत का कार्य करना चाहिए। मेरा यह छोटा सा कार्य श्रमदान मेरे स्वयं की आत्म संतुष्टि के लिए है।हमारी मातृभूमि जन्मभूमि की सेवा का कार्य भी पुनीत राष्ट्रीय कार्य है। ऐसे प्रत्येक कार्य में हमारे समाज के प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्य होना चाहिए। इस कार्य के लिए जिला प्रशासन और नगरपरिषद करौली का महत्वपूर्ण योगदान है। हम सभी ने इनके साथ मिलकर ही श्रमदान सेवा सहयोग कार्य करने का एक छोटा सा प्रयास किया है। सिविल डिफेंस के जवान,स्काउटगाइड रोवर्स रेंजर्स,शहरी नरेगा श्रमिक,सफाई कर्मियों सहित शहर के युवा साथियों का भी विशेष योगदान रहा है।

4 सोनोग्राफी सेंटर का निरीक्षण'

करौली (निंसं.) जिले में पीसीपीएनडीटी अधिनियम की पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीएमएचओ डॉ जयंतीलाल मीणा ने 4 सोनोठााफी सेंटर का औचक निरीक्षण एफ फॉर्म की जांच की और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के निर्देश प्रदान किये। सीएमएचओ द्वारा भारत हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर, गौरव सोनोठााफी सेंटर, हाईटेक कलर सोनोठााफी और विजय कलर सोनोठााफी सेंटर का औचक निरीक्षण किया जहां उन्होंने सेंटर संचालक को पीसीपीएनडीटी एक्ट की पालना के निर्देश प्रदान कर रजिस्ट्रेशन,रजिस्टर और फार्म एफ की स्थिति से अवगत हुए और विजिट रजिस्टर बनाने, तरीकेबद्ध डाटा इंद्राज करने और कमियों को समय पर पूरा करने के निर्देश प्रदान किये जिला कार्यक्रम समन्वयक पीसीपीएनडीटी नगीना शर्मा ने एक्टिव ट्रेकर की जानकारी जुटाकर मुखबिर योजना की आईईसी प्रदर्शन बढ़ाने की आवश्यकता जताई।

समिति की बैठक सम्पन्न

करौली (निंसं.) सैनी, माली, कुशवाहा समाज की बैठक सीताराम जी मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई जिसमें समाज के प्रमुख लोग उपस्थित थे। महात्मा ज्योतिबा फुले युवा सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश सैनी ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष गिर्राज माली के द्वारा की गई बैठक में सीताराम जी मंदिर परिसर के पीछे वाले हिस्से में एक लाइब्रेरी खोलने पर सहमति बनी बैठक में पूर्व महासभा अध्यक्ष जयलाल माली, कस्बा अध्यक्ष नेमीचंद, डंगासरा अध्यक्ष श्रीफूल, राम सिंह मेंबर, भूरा मेंबर, सपोटरा से पूणा, जतिराम, बबलू, कुडगॉव से बनवारी,सियाराम हिण्डौन से कमल,जितेंद्र, मासलपुर से विष्णु, प्रताप, नौथोक उपाध्यक्ष रूप सिंह, नगरपरिषद के उपसभापति सुनील सैनी, अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष तुलसीराम, बृजमोहन कोतवाल, मदन मोहन सहित कई अन्य युवा उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

डीग भरतपुर (निस)। योग दिवस की समीक्षा बैठक मंगलवार को जिला कलक्टर उत्सव कौशल की अध्यक्षता में पंचायत समिति सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप 21 जून 2025 को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये। सभी कार्यक्रमों में अधिकाधिक संख्या में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिला कलक्टर ने 21 जून को जिले में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिला स्तरीय कार्यक्रम जल महल में आयोजित किया जायेगा।

'ड्रॉप आउट बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ा जायेगा'

करौला (निंसं.) जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक आशीष बंसल ने बताया कि जिले में बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रोटेक्टिंग चिल्ड्रेन फ्रोम दी रिस्क ऑफ लेबर एंड माइग्रेशन परियोजना के अंतर्गत बाल संरक्षण को प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर दिनांक 12 जून से 11 जुलाई तक बाल श्रम मुक्त एवं बैक टू स्कूल करौली अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जिले को बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल शोषण, भिक्षावृत्ति, कन्या भ्रूण हत्या एवं बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं से मुक्त कराना है, साथ ही विद्यालय से ड्रॉप आउट हो चुके, अनामांकित अथवा शिक्षा से वंचित बच्चों को पुनः विद्यालय से जोड़कर उनके भविष्य को सुरक्षित बनाना है। इस कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला प्रशासन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल अधिकारिता विभाग, महिला अधिकारिता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायतीराज, श्रम विभाग इत्यादि विभागों के समन्वय से एक्शनएड-यूनिसेफ करौली द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। इसके लिए जिला कलक्टर द्वारा जिला स्तरीय विशिष्ट कार्य योजना 2025-26 को अनुमोदित किया गया है। इस कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला प्रशासन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल अधिकारिता विभाग, महिला अधिकारिता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायतीराज, श्रम विभाग इत्यादि विभागों के समन्वय से एक्शनएड-यूनिसेफ करौली द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। इसके लिए जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय विशिष्ट कार्य योजना 2025-26 को अनुमोदित किया गया है। जिसके अंतर्गत सभी स्तरों पर 11 जुलाई 2025 तक बाल संरक्षण से संबन्धित विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। इस क्रम में बुधवार 18 जून को बाल श्रम, भिक्षावृति की रोकथाम एवं ड्रॉप आउट, आउट ऑफ स्कूल, अनामांकित बच्चों की शिक्षा, बालश्रम की रोकथाम एवं बाल श्रमिको की पहचान व उनका रेस्क्यू व पुनर्वास, नशा मुक्ति, सायबर अपराध से बचाव को लेकर हितधारको की जिला कार्य योजना को लेकर कंस्लटेशन की गतिविधियाँ सपोटरा पंचायत समिति पर संचालित की जाएंगी। इन गतिविधिओं में समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, सरपंच, ठााम विकास अधिकारी, थानाधिकारी, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापार मंडल, उद्योग, इंट भटटे, बस टेम्पो, ट्रक संघ अन्य सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाएं द्वारा सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

झमाझम बारिश से मौसम सुहाना

करौली। करौली जिला मुख्यालय पर मंगलवार को प्री-मानसून की पहली बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दोपहर बाद मौसम में अचानक बदलाव आया। तेज हवाओं के साथ काले बादल छाए और हल्की बूंदाबांदी शुरू हुई। वह दोपहर बाद में तेज बारिश में बदल गई। हालाकि बार बार बिजली गुल होने से लोगो को खासी परे'ाानियो का सामना करना पडा। जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में बारिश ने वातावरण को ठंडा किया। इससे अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

बारिश के बाद भी हवा में नमी बनी रही। शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया।पिछले कुछ दिनों से चिलचिलाती धूप और उमस के कारण लोगों का कामकाज प्रभावित हो रहा था। ठाामीण क्षेत्रों में किसान अभी भी जोरदार बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

सार-समाचार

फर्जीबाड़ा करने का आरोप

करौली। मासलपुर तहसील की गुबरेडा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच भगवती लाल मीणा ने जिला कलेक्टर को पत्र पेश कर ग्राम पंचायत गुबरेडा में नरेगा योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों में फजीबाडा करने एवं मनमानी तरीके से मस्टरोल पर काम करवाए जाने की शिकायत की है। पूर्व सरपंच भगवती लाल मीणा ने जिला कलेक्टर को शिकायत करते हुए बताया कि गांव कसारा ठााम पंचायत गुबरेडा के निवासी हैं हमारे ठााम पंचायत में नरेगा योजना के तहत जो निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं उन सभी कार्यों की मस्टरोल में फर्जीवाड़ा कर काम हो रहा है मौके पर कोई भी मजदूर कार्य नहीं लगा रखा है और जालसाजी कर मस्टरोलो मे मजदूरों की हाजिरी दिखाकर मस्टरोल कार्यों का भुगतान उठाया जा रहा है उन्होंने बताया कि यह सभी कार्य सरपंच एवं सचिव एवं जेइएन आदि की मिली भगत से किये जा रहे हैं और गरीब लोगों को उक्त योजना के तहत कोई भी काम नहीं दिया जा रहा है उन्होंने शिकायत करते हुए गुबरेडा में चल रहे नरेगा योजना के निर्माण कार्यों की मस्टरोलो की जांच कर कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

जन्मदिन पर गायों को खिलाया चारा

करौली। करौली दौरे पर आए यूडीएच मंत्री झावर सिंह खर्रा ने अपने दौरे के दूसरे दिन भाजपा के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष उत्तम सिंह जादौन के जन्मदिन को बड़ी सादगी पूर्ण बनाते हुए उत्तम सिंह की ओर से आयोजित करौली की यादव वाटी गौशाला में सवामनी कार्यक्रम के दौरान पहुंचकर गायों को हरा चारा आदि खिलाकर भाजपाइयों के साथ जन्मदिन मना कर उनकी लंबी उम्र की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव, लोकसभा प्रत्याशी इंदुदेवी जाटव, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंहल, नगर परिषद सभापति डॉ राजरानी शर्मा, पूर्व पार्षद कुलदीप पाठक, राजेंद्र व्यास, सत्येंद्र गोयंका, अजय पाल, सुरेश शुक्ला, योगेश शर्मा उर्फ योगी, मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी, धर्मेंद्र सिंह जादौन, विकास सिंह, जसवंत मीणा, रणवीर सिंह जादौन, माधव हरदैनिया,सुशील शर्मा, जीतू शुक्ला सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

शिविर का आयोजन

भरतपुर (निस)। माहेश्वरी मंडल समिति जिला भरतपुर द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र जाँच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन मंगलवार को कोतवाली चौराहा डॉ एच एन शर्मा परिसर में किया गया। महामंत्री मुकेश माहेश्वरी ने बताया कि शिविर का प्रारम्भ ओपी माहेश्वरी जिला अध्यक्ष, संरक्षक मोहनलाल माहेश्वरी एवं वैश्य समाज के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग गर्ग द्वारा दीप प्रजल्ल्वित के साथ किया गया। माहेश्वरी मंडल समिति के पदाधिकारीयों द्वारा संस्था के चिकित्सकों एवं सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया जाकर पटका पहनाकर अभिनन्दन किया गया। शिविर में कल्याणं करोति संस्था मथुरा के डॉ एस के शर्मा, डॉ सोमवीर सिंह एवं सहयोगी सचिन शर्मा, योगेश शर्मा, लवेश शर्मा एवं अंकुर सिंह के द्वारा रोगियों की जाँच की गई। शिविर में 147 रोगियों की जाँच की गई और 31 रोगियों को ऑपरेशन हेतु मथुरा ले जाया गया।

जागरूकता रैली

भरतपुर (निस)। भारत सरकार आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को भरतपुर के पुलिस परेड ठााउंड में मुख्य कार्यक्रम तथा भरतपुर शहर के धार्मिक स्थलों विभिन्न पार्कों में एवं प्रत्येक तहसील ठााम पंचायत स्तर पर आयोजन को अधिक सफल बनाने के लिए पतंजलि परिवार भरतपुर के मुख्य संयोजक एवं राज्य कार्यकारिणी सदस्य राजस्थान के वीरी सिंह कुंतल एवं आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक नोडल प्रभारी इंदु शर्मा के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की विशाल जागरूकता रैली का आयोजन 19 जून 2025 को सुबह 6:00 बजे विश्व प्रिय शास्त्री पार्क से जवाहर नगर राजेंद्र नगर में किया जाएगा।

करंट लगने से आधा दर्जन लोग झुलसे

करौला (निंसं.) करौली के नादौती उपखंड के धौलेटा गांव के कोली मोहल्ले में मंगलवार प्रात चार बजे तेज

आंधी चली। इससे 11 केवी हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर सिंगल फेस घरेलू सप्लाई लाइन पर गिर गया। इससे कई

घरों में अचानक हाई वोल्टेज करंट दौड़ गया। लोहे के पलंग पर सो रहे सात लोग झुलस गए। चार की हालत गंभीर है।

झुलसने वालों में सुरेश चंद महावर,चंदा महावर,आकाश महावर,चंपा देवी, प्रभाती देवी, सुरेश कोली, चंदो देवी, मनोज, आरती और महेंद्र शामिल हैं। सुरेश कोली, चंदो देवी, चंपा देवी और आकाश कोली को गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया गया है।

अन्य का इलाज गुढ़ाचंद्रजी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है।घटना के बाद पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। करीब 15 से 20 मिनट तक करंट दौड़ता रहा। ठाामीणों की सूचना पर विद्युत विभाग ने बिजली सप्लाई बंद कार्यवाही। मोहल्ले में कई घरों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर खराब हो गए। कप्तान, विजय, मीठालाल, बहादुर और चंदन के घरों में कूलर,पंखे और फ्रिज फुंक गए। इससे लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।विभागीय अधिकारी एईएन योगेश शर्मा के अनुसार, तार पुराने नहीं थे। अंधड़ की वजह से टूटकर लो-वोल्टेज लाइन पर गिर गए। ट्रांसफॉर्मर को भी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्यवाही और बिजली लाइनों के तुरंत सुधार की मांग की है।

रीतेश का स्वागत

सूरौठ। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी नीट (यूजी)-2025 परीक्षा के परिणाम में नरोत्तम शर्मा के सुपौत्र रीतेश ने आल इंडिया में 536 अंक किये प्राप्त परिजनों ने बताया कि,शर्मा भविष्य में एक अच्छे डॉ बनना चाहते हैं सूरौठ तहसील के गांव राराशाहपुर निवासी के रहने वाले रीतेश शर्मा के अशोक शर्मा एक शिक्षक हैं उनकी माता गृहिणी हैं , अशोक शर्मा के बाबा एक प्रसिद्ध कथा प्रवक्ता थें, रीतेश शर्मा ने एक निजी कोचिंग संस्थान से नीट की तैयारी की शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और कोचिंग शिक्षकों को दिया है इस मौके पर मंगलवार कों सूरौठ चौबीसा एवं तहसील ब्राह्मण समाज के प्रबुद्ध लोगों द्वारा राराशाहपुर में परीक्षा में अंतिम चयन होने पर छात्र रीतेश सुपुत्र अशोक कुमार शर्मा सुपौत्र नरोत्तम जी शर्मा राराशाहपुर वालों का उनके गांव जाकर अभिनंदन किया।

संकल्प से सिद्धि कार्यशाला संपन्न

करौला (निंसं.)। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल करौली द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत करौली शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित हुई जिसमें मुख्य वक्ता तेजसिंह जमालपुर ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताया कहा कि 11 वर्षो में कई महत्वपूर्ण निर्णय व विकास कार्य हुए एवं मुख्य वक्ता पूर्व जिलाअध्यक्ष कैलाश शर्मा ने प्रधानमंत्री द्वारा चलाई गई बिभिन्न योजनाओं के बारे मे बताया

कार्यक्रम के जिलासंयोजक योगेश शर्मा उर्फ योगी ने पहलगाम हमले की निंदा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक फैसले से ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान को मुंहतोड जवाब दिया पुर्व जिला अध्यक्ष रमेश राजोरिया ने तीन तलाक और वक्फ बिल पर विचार रखे मण्डल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है मुख्यवक्ता जिलामंहामंत्री धीरेन्द्र बैंसला ने संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम पर प्रकाश डाला इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में हुई जनहानि के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की एवं 2 मिनट का मौन रखा एवं सभी कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण का कार्य किया इस अवसर पर पुर्व जिला महामंत्री बासुदेव,पूर्व मण्डल अध्यक्ष अशोक वर्मा,मण्डल महामंत्री आशीष जैन,तेजेंद्र सिंह,मण्डल उपाध्यक्ष विक्की गुरू,नीतेश महावर, सुमित भट्ट,पंकज अठावाल,कपिल पाराशर, कपिल मित्तल,कपिल जिंदल, अमिता चतुर्वेदी, कार्यकर्ता उपस्थित रह।

260 स्थानों पर मनाया जाएगा योग दिवस

करौला(निंसं.) 11 वा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को करौली जिले के 260 स्थानों पर सामूहिक रूप से प्रातः मनाया जाएगा जिसकी पूरी तैयारी करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना के निर्देशानुसार हो गई है।

करौली आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक डॉ नंद कुमार शर्मा ने बताया कि जिले का मुख्य कार्यक्रम श्री महावीर जी के मंदिर प्रांगण में होगा जिसके मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री के लिए निवेदन किया जा रहा है।

जिले के सभी जिला अधिकारी और राज नेता कार्यक्रम में उपस्थित होकर योगाभ्यास करेंगे उप निदेशक ने बताया कि करौली ब्लॉक का मुख्य कार्यक्रम त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम में होगा जिसमें करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर मुख्य अतिथि रहेंगे इसके अलावा शहर के प्रमुख 10 स्थानों पर अन्य सभी ब्लॉको पर ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम किए जाएंगे सभी पंचायत पर पंचायत स्तरीय कार्यक्रम के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाओ पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सभी जगह लोगों को लोगों को उपस्थित होने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

सभी जगह नोडल अधिकारी, योग प्रशिक्षित स्टाफ, शारीरिक शिक्षक, नियुक्त किए गए हैं जिनको प्रशिक्षण दिया जा रहा है करौली,मंडरायल,मासलपुर तहसील के कार्मिकों का प्रशिक्षण 19 जून को रामद्वारा आदर्श विद्या मंदिर में होगा उप निदेशक ने बताया कि पूरे जिले में एक माह से योगाभ्यास निर्धारित स्थानों चल रहा है।

पीठासीन न्यायिक अधिकारियों के विरुद्ध 28वें दिन भी आंदोलन जारी रहा।

भरतपुर (निस)। बार एसोसिएशन भरतपुर के प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एडवोकेट हेमराज शर्मा अंगिरा द्वारा बताया गया कि जिला न्यायिक अधिकारियों के विरुद्ध 28वें दिन भी आंदोलन जारी रहा। आंदोलन की मसाल को प्रज्वलित करते हुए संघर्ष समिति के वरिष्ठ अधिवक्तागण गुलाब सिंह कुंतल, मनजीत सिंह, यसवंत सिंह सिनसिनवार एवं गांधीदेव ने धरना स्थल पर संबोधित करते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था को हमेशा ही अनुशासित और न्याय प्रिय रहना चाहिए। यह हम सब का मौलिक अधिकार है। उन्होंने अधिवक्तागणों को अबगत कराया कि आंदोलन की गतिविधियों से राजस्थान उच्च न्यायालय को निरंतर अवगत कराया जा रहा है। यदि शीघ्र ही अधिवक्ताओं की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

> ■ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रुपेंद्रसिंह ने उच्च न्यायिक प्रशासन से मांग की है कि समय रहते आरोपित अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से ए.पी.ओ. किया

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रुपेंद्रसिंह ने उच्च न्यायिक प्रशासन से मांग की है कि समय रहते आरोपित अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से ए.पी.ओ. किया जावे तथा उनके द्वारा किए जा रहे हैं आपत्तिजनक व्यवहार और अवैधानिक कृत्यों की उच्च स्तरीय जांच की जावे। अध्यक्ष रुपेंद्रसिंह ने घोषणा की है कि अब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राजस्थान उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय, भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार को ज्ञापन प्रस्तुत कर आंदोलन को और गति दी जायेगी।

आंदोलन स्थल पर देवेंद्र सिंह गुर्जर, राघवेंद्र परिहार, राजवीर सिंह, विमल सिंह, हेमंत चाहर, प्रेम सिंह गुर्जर, जितेंद्र मैथिल, प्रमोद चौधरी, अमित अघापुरिया, मनोज गुप्ता, रामसजन, मनोज खरेरा आदि अधिवक्तागणों ने धरना देकर आंदोलन में सहयोग किया।

सांवरिया सरकार दर्शन हेतु एक दिवसीय भ्रमण के रवाना।

भरतपुर (निस)। राधा रानी घुमंतू क्लब गांधी पार्क, भरतपुर के 18 सदस्यों का एक दल मंगलवार को एक दिवसीय धार्मिक भ्रमण यात्रा पर रवाना हुआ। संस्था अध्यक्ष संतोष खंडेलवाल ने बताया कि यात्रा की शुरुआत मेवाड़ एक्सप्रेस से की गई। सबसे पहले सभी सदस्यों ने श्रीनाथजी महाराज (नाथद्वारा) के दर्शन किए। इसके पश्चात रास्ते में शनिदेव मंदिर पहुंचकर सभी ने पूजा-अर्चना की। मुख्य दर्शन सांवरिया सेठ मंदिर (मंडफिया) के थे, जहाँ सभी ने श्रद्धा भाव से दर्शन कर आध्यात्मिक शांति प्राप्त की। दर्शन के बाद दल चित्तौड़गढ़ पहुंचा, जहाँ सदस्यों ने ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ किले का भ्रमण कर उसकी वीरगाथा और स्थापत्य कला का अवलोकन किया।

पश्चिम मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

सं. ईएल/50/एनआईटी/47(2025-26) दिनांक 13.06.2025

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यो के लिए ई-निविदा आंमत्रित करते है, **निविदा संख्या** : ईएल/50/262R/2025-26, **कार्य का नाम** : ओवरहेड कंडक्टर को AB केबल से बदलना, इंसुलेटेड एल्युमीनियम कंडक्टर और डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स के साथ भूमिगत केबल द्वारा- प्रतिस्थापित करना तथा संबंधित कार्य कोटा मंडल के रेलवे कॉलोनियों और सर्कुलेटिंग एरिया में, **अनुमानित लागत (रु .मैं.)** : 1,77,71,062.69, **बयाना राशि (रु. मैं)** : 2,38,900/- **कार्य समाप्ति अवधि** : 6 माह, **निविदा प्रस्तुत करने एवं खुलने की दिनांक तथा समय** :08-07-2025 को 15.00 बजे तक एवं खुलने का समय 15.15 बजे, ऑफर केवल ई-टेण्डरिंग के माध्यम से वेवसाईट **http://www.ireps.gov.in** पर स्वीकार किए जायेंगे। निविदा दाता के पास क्लास III डिजिटल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना एवं आई.आर.ई.पी.एस पोर्टल पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। कोई भी निविदा मैनुएली स्वीकार नही है। निविदा डालने से पहले टेण्डर दस्तावेजों की स्पेशल कण्डीशन्स एवं शर्ते अवश्य पढ लें।

(हस्ता.)

कृते वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

तारांचंद शर्मा को मिला आयुर्वेद भूषण सम्मान

भरतपुर (निस)। भरतपुर के प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य वैद्य ताराचंद शर्मा को आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके समर्पण, सेवा और योगदान के लिए ष्आयुर्वेद भूषणष् की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान उन्हें हाल ही में जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य 2025 कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन द्वारा किया गया, जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के अनुमोदन से यह उपाधि प्रदान की गई।

राजस्थान के उपमुख्यमंत्री व आयुर्वेद मंत्री प्रेमचंद बैरवा द्वारा यह सम्मान वैद्य शर्मा को उनके चिकित्सक, शिक्षक, अनुसंधानकर्ता एवं प्रशासक के रूप में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

लघु उद्योग भारती प्रतिनिधिमंडल ने डीएम से की मुलाकात

भरतपुर (निस)। लघु उद्योग भारती भरतपुर का प्रतिनिधिमंडल जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव से मिला और संस्थान से जुडे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने संगठन के लिए भूमि आवंटन की मांग की। जिसके माध्यम से कौशल विकास केंद्र खोल कर युवाओं एवं इच्छुक व्यक्तियों को नये कार्यों का प्रशिक्षण देना, जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में अठासर किया जा सके।

संस्था अपने कार्यों को और अधिक संगठित व प्रभावशाली तरीके से संचालित करे, जिससे छोटे उद्योगों को और प्रोत्साहन मिल सके तथा औद्योगिक विकास को गति दी जा सके।

प्रतिनिधिमंडल ने रीको क्षेत्र में चल रहे रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते उद्यिमयों और आमजन को हो रही असुविधाओं पर चिंता व्यक्त की और उक्त समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए निर्माण कार्य पूर्ण होने तक वैकल्पिक मार्ग का शीघ्र निर्माण अथवा उपलब्ध मार्गों को अस्थायी रूप से चौड़ा एवं समतल कर यातायात योग्य बनाया जाए, जिससे औद्योगिक गतिविधियों में बाधा न आए और उद्यिमयों व श्रमिकों को राहत मिल सके।यह कार्य जनहित एवं औद्योगिक क्षेत्र की सुचारु कार्यप्रणाली हेतु अत्यंत आवश्यक है।वैकल्पिक अस्थाई सड़क निर्माण से उद्योगों का कार्य प्रभावित नहीं होगा और सुगम आवागमन बना रहे।

लघु उद्योग भारती, भरतपुर द्वारा टीटीजेड क्षेत्र से जुडे सूक्ष्म एवं लघु उद्यिमयों की समस्याओं को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की ,

पर्यावरणीय नियमों की अस्पष्टता, अनुचित प्रतिबंधों एवं उद्योगों के अस्तित्व पर मंडराते खतरे के चलते उद्यमी वर्ग असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह विषय वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है।

ऐसे में यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि राज्य सरकार की ओर से सक्षम एवं अनुभवशील अधिवक्ता नियुक्त कर न्यायालय में टीटीजेड क्षेत्र के उद्योगों का प्रभावी पक्ष प्रस्तुत किया जाए। इससे न केवल हजारों उद्यिमयों को न्याय मिल सकेगा, बल्कि क्षेत्र की औद्योगिक अर्थव्यवस्था भी संरक्षित रह सकेगी। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल ने एक महत्त्वपूर्ण माँग पत्र प्रस्तुत किया।

लोहे की रोड फेंक कर भागा चोर

बयाना भरतपुर (निस)। बयाना कस्बे के कचहरी रोड स्थित शराब ठेके पर बीती रात चोरी का प्रयास नाकाम हो गया, जब पड़ोसी की सजगता से चोर को भागना पड़ा। यह घटना पुलिस कोतवाली से महज 500 मीटर की दूरी पर हुई।

कार्यालय विकास अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी ईजीएस पंचायत समिति सपोटरा जिला करौली

क्रमांक: पंसस/लेखा/बोली/2025-26/ दिनांक: 16.06.2025

खुली प्रतियोगी बोली सूचना संख्या 01/2025-26

इस कार्यालय के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु क्रम संख्या 1 एवं 2 पर अंकित कार्य के लिए इच्छुक सेवा प्रदाता ऐजेन्सीयो से क्रम संख्या तथा संख्या 3 व 4 पर अंकित कार्यों के लिए पंजीकृत बोलीदाताओ से क्र.सं. 5 से 7 पर अंकित कार्यों के लिए इच्छुक व्यक्तियों से सीलबन्द बोली निर्धारित प्रपत्र में निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है एवं क्रम संख्या 8 पर अंकित ठेका खुली बोली द्वारा नीलाम किया जावेगा जिसमे इच्छुक व्यक्ति भाग ले सकते है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रू. लाखों में)	बोली अमानत राशि (रूपयों में)	बोली प्रपत्र शुल्क राशि (रूपयो में)	बोली प्रपत्र विक्रय की अन्तिम दिनांक व समय	बोली प्रपत्र जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय	तकनीकी बोली खोलने की दिनांक व समय	वित्तीय बोली खोलने दिनांक व समय
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	कम्प्यूटर ऑपरेटर मैन विद मशीन की सेवाऐं जॉब बेसिस के आधार पर आपूर्ति कार्य	7.00	14000	400	16.06.2025 से	23.06.2025 समय	25.06.2025 समय	- - -
2	प्रशिक्षण एवं मीटिंग हेतु चाय एवं भोजन व्यवस्था	5.00	10000	400	23.06.2025	11.00 A.M	P.M पर	- 25.06
3	स्टेशनरी एवं लेखन सामग्री की आपूर्ति	5.00	10000	400	समय 5.00 P.M तक	तक		2025 समय 3.00
4	पंचायत समिति सपोटरा की मरम्मत ग्राम पंचायतों में मृतक पशुओ का हड्डी ठेका वित्तीय वर्ष 2025-26	0.50	5000	200	-	-	-	P.M पर
5	बोलेरो मॉडल 2022 मय वाहन चालक	5.00	10000	400	-	-	-	-
		उक्त ठेका दिनांक 25.06.2025 को 3.00P.M से खुली बोली द्वारा नीलाम किया जावेगा। पंचायत समिति मुख्यालय पर किया जावेगा।						

बोली की अन्य शर्तें/दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय पर इस कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

UBN

विकास अधिकारी कम कार्यक्रम अधिकारी पंचायत समिति सपोटरा

'शिविर में सीखी विधाओं का निरंतर अभ्यास कर पारंगत बने'

करौली (निंसं.)राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय करौली के तत्वाधान में मोंटेसरी किड्स एकेडमी स्कूल में संचालित किये जा रहे ठाीष्मकालीन अभिरुचि एवं कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का सीओ स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने निरीक्षण किया इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सी ओ स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने शिविरार्थी बालक बालिकाओ से कहा कि शिविर में सीखी हुई विधाओं का निरंतर अभ्यास करें एवं उसमें पारंगत बने। शिविर निदेशक राष्ट्रपति रोवर देवेंद्र कुमार ओझा ने बताया कि ठाीष्म अवकाश में बालक बालिकाओं के समय के सदुपयोग एवं स्वावलंबन की भावना की विकास हेतु राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड द्वारा मोंटेसरी किड्स एकेडमी स्कूल में आयोजित अभिरुचि एवं कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का आकस्मिक निरीक्षण सीओ स्काउट अनिल कुमार गुप्ता द्वारा किया गया इस अवसर पर उन्होंने कक्षा कक्षों मैं जाकर मेहंदी,पेंटिंग,पेपर क्राफ्ट,नृत्य एवं कंप्यूटर सीख रहे बालक बालिकाओं से उनके द्वारा सीखी गई विधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं प्रशिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये उन्होंने बालक बालिकाओं से पक्षियों के लिए एक परिंडा लगाने एवं प्रतिदिन अपने घर की छत पर चुगा डालने की अपील की उन्होंने बालक बालिकाओं को वर्षा ऋतु में अपने विद्यालय घर खेत बगीचा एवं अन्य जहां कहीं भी स्थान मिले वहां पर एक-एक पेड़ लगाने एकदम उसे पालने के लिए प्रेरित किया सीओ स्काउट करौली ने बालक बालिकाओं से नित्य प्रति एक भलाई का कार्य करने की अपील की एवं कहा कि वह पानी का सदुपयोग करें व्यर्थ ना बहाए शिविर केंद्र पर सीओ स्काउट अनिल कुमार गुप्ता का राजस्थानी परंपरा के अनुसार शिविर संचालक मानसी शर्मा के नेतृत्व में गाइड्स ने तिलक लगाकर स्वागत किया इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिविर संयोजक शिवानी गुप्ता एवं पूजा शर्मा के नेतृत्व में आकर्षक एवं मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति शिविरार्थी बालिकाओं खुशी शर्मा,नव्या मीना ,पल्लवी गुप्ता लावण्या ,नैना ,गोरी ,काजल, तनिष्क ,तनिष्क शर्मा ,इशा साक्षी, परी आदि के द्वारा दी गई इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक देवेंद्र कुमार ओझा, नृत्य प्रशिक्षक मानसी शर्मा, पेपर क्राफ्ट प्रशिक्षक शिवानी गुप्ता, मेहंदी प्रशिक्षक अनीता शर्मा, कर्सिव राइटिंग प्रशिक्षक पूजा शर्मा,साक्षी गोयल आदि उपस्थित थे।

पावटा-प्रागपुरा पालिका ई.ओ. फतेह सिंह के कई ठिकानों पर ए.सी.बी. ने छापा मारा

जयपुर शहर, पावटा, शाहपुरा, कोटपुतली, थानागाजी, विराटनगर में विभिन्न ठिकानों एवं कार्यालयों पर ब्यूरो की एक दर्जन टीमों ने छापेमारी शुरू की

पावटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी ने "ऑपरेशन मनी मिंटिंग" के तहत नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा के अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह मीणा और अन्य के खिलाफ मंगलवार अलसुबह संदिग्ध ठिकानों जयपुर शहर, पावटा, शाहपुरा, कोटपुतली, थानागाजी, विराटनगर में विभिन्न ठिकानों एवं कार्यालयों पर ब्यूरो की एक दर्जन टीम द्वारा छापेमारी शुरू कर आय से अधिक संपत्ति की जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में फतेह सिंह के पास आय से 273 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने का खुलासा हुआ है। यह मामला आय से 273 प्रतिशत से अधिक संपत्ति अर्जित करने से जुड़ा है। एक गोपनीय शिकायत के बाद एसीबी ने जांच करवाई, जिसमें ईओ फतेह सिंह मीणा पर आय से अधिक संपत्तियां जुटाने के सबूत मिले हैं। इसके बाद एसीबी ने ईओ के कई ठिकानों पर छापेमारी की व तलाशी ली

एसीबी की टीम ने ईओ फतेह सिंह मीणा से पूछताछ की।

एवं दस्तावेज खंगाले। एसीबी के डीआईजी राजेश सिंह के सुपरविजन में इस ऑपरेशन का नेतृत्व एसीबी सवाई माधोपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान सिंह चौधरी कर रहे हैं।

एसीबी प्रवक्ता ने बताया कि सूत्रों एवं गोपनीय सत्यतापन से संदिग्ध अधिकारी द्वारा राजकीय सेवा में नियुक्त होने से अब तक 273 प्रतिशत से अधिक परिसंपत्तिया अर्जित करना प्रकट हुआ है। तलाशी के दौरान उक्त अधिकारी के जयपुर स्थित जगतपुरा में दो लग्जरी फ्लैट, जिनकी कीमत लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपए में

- प्रारंभिक जांच में ईओ फतेह सिंह के पास आय से 273 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने का खुलासा हुआ है
- जांच पूरी होने के बाद ईओ फतेह सिंह पर भ्रष्टाचार और बेनामी संपत्ति के मामलों में केस दर्ज होने की संभावना, कार्रवाई जारी

क्रय करना, नीमकाथाना के दीपावास में 1.05 हेक्टेयर भूमि खरीद करना, अलवर के थानागाजी के गढ़ बसई में एक परिचित के नाम पर लगभग 15 बीघा भूमि खरीदकर एक फार्म हाउस विकसित करने में लगभग 80 लाख रुपए का बेनामी निवेश करने का पता चला है। जिस पर ब्यूरो टीम द्वारा जगतपुरा, जयपुर में फ्लैट नंबर ई-503, 504 त्रिमूर्ति एरेना, अलवर के थानागाजी के ग्राम इंडोक में सरिस्का पैलेस के पास संदिग्ध अधिकारी का निवास स्थान, अलवर के थानागाजी के गढ़ बसई में खसरा नंबर 95, 97, 98, 100, 103 पर संदिग्ध अधिकारी का फार्म हाउस, कोटपूतली में 4-बी 14, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में संदिग्ध अधिकारी के करीबी प्रमोद कुमार वर्मा का निवास स्थान, जयपुर के शाहपुरा में वार्ड नंबर 3, हनुमान बगीची के पास, अजीतगढ़ रोड पर संदिग्ध अधिकारी के करीबी कैलाश गुर्जर का निवास स्थान, पावटा में अमृत पब्लिक स्कूल के पास, डॉ. अजय दायमा के मकान के पीछे संदिग्ध अधिकारी का किराए का मकान, नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा में अधिशाषी अधिकारी का कार्यालय कक्ष व अन्य संबंधित स्थान पर सर्च ऑपरेशन चलाया।

एसीबी की कार्रवाई में डीएसपी रविंद्र सिंह और इंस्पेक्टर गंभीर सहित दो दर्जन से ज्यादा अधिकारी शामिल रहे। फतेह सिंह मीणा के खिलाफ दस्तावेजों की जांच की जा रही है। छापेमारी के दौरान जयपुर से लेकर अलवर तक कई बेनामी निवेशों और संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिली है। नगरपालिका पावटा और विराटनगर के साथ-साथ थानागाजी के उप-पंजीयक कार्यालय से भी महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद फतेह सिंह पर भ्रष्टाचार और बेनामी संपत्ति के मामलों में केस दर्ज होने की संभावना है। कार्रवाई अभी जारी है। यह ऑपरेशन भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और सरकारी सेवा में अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों पर नकेल कसने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एसीबी ने फतेह सिंह मीणा के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी है और आगे की जांच की जा रही है।

उदयपुर में बूंदाबांदी से गर्मी से राहत मिली

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में मंगलवार सुबह से ही बादल छाए रहे और मौसम में ठंडक रही। शहर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई है। बादलों के बीच हिरणमगरी क्षेत्र में बूंदाबांदी भी हुई। मौसम ठंडा होने और हवा चलने से गर्मी से राहत मिली है। मौसम में हुए बदलाव से तपन से भी लोगों को राहत मिली और दिन का अधिकतम तापमान कम भी हुआ।

डबोक स्थित मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को न्यूनतम 25.4 तथा अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर मौसम केंद्र ने आज उदयपुर जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जिले में बारिश का अलर्ट है। इसी प्रकार उदयपुर संभाग के राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा और डूंगरपुर में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान अनुसार अब कुछ ही घंटो बाद मानसून कभी भी मेवाड़ के रास्ते राजस्थान में दस्तक दे सकता है। मानसून पिछले कई दिनों से एक ही जगह अटका हुआ था, लेकिन पिछले 24 घंटों में मानसून ने फिर से गति पकड़ी है और राजस्थान बॉर्डर के बहुत करीब पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 4-5 दिन उदयपुर व कोटा संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में चित्तौड़ में 50, गंगरार 50, भदेसर 50, वल्लभनगर 20, बावलवाड़ा 45, कुंभलगढ़ 30, देवगढ़ 20, आमेट 20, सागवाड़ा 20, घाटोल 20 और मावली क्षेत्र के बड़गांव में 60 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड सलुम्बर

क्रमांकः टी.एस./निविदा फाईल/2025-2026/डी-491-497 दिनांक-02.06.2025

निविदा संख्या-10/2025-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान सरकार के पात्र श्रेणी के संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

कार्य का विवरण	6-कार्य
अनुमानित लागत (लाखों में)	240.00 Lacs
निविदा विक्रय दिनांक	दिनांक 09-06-2025 से दिनांक 18-06-2025
निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 19-06-2025 सायं 4.00 बजे से

NIB-PWD2526A1009, UBN-PWD2526WSOB03302, PWD2526WSOB03303
PWD2526WSOB03304, PWD2526WSOB033005
PWD2526WSOB03306, PWD2526WSOB033007

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड सलुम्बर

DIPR/C/7468/2025

मेड़ता पालिका के उपचुनाव में उपाध्यक्ष पद पर भाजपा की शोभा लाहोटी विजयी

शोभा लाहोटी मेड़ता पालिका उपाध्यक्ष बनीं, लाहोटी ने 21 मत प्राप्त किए

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता नगर पालिका के उपचुनाव में उपाध्यक्ष पद पर भाजपा प्रत्याशी शोभा लाहोटी ने बाजी मारी। मेड़ता नगरपालिका उपचुनाव में उपाध्यक्ष पद हेतु चुनाव कराए गए जिसमें भाजपा की प्रत्याशी रही शोभा लाहोटी ने 21 मत प्राप्त करके बाजी मारी। वही को कांग्रेस के प्रत्याशी रहे पार्षद सुनील पंवार ने 17 मत प्राप्त किए।

मेड़ता विधायक लक्ष्मण कलरू ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा आमजन की सरकार रही है। वही जनता का साथ हमेशा मिलता रहा और हमें और पूरी पार्टी को विश्वास था उपाध्यक्ष पद पर भाजपा का कमल ही खिलेगा। विधायक कलरू ने बताया उपचुनाव में उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए जिसमें पार्षद शोभा लाहोटी को 21 मत, कांग्रेस के सुनील पंवार को 17 मत प्राप्त हुए जिसमें भाजपा ने 5 मत से जीत प्राप्त की।

उपचुनाव के बाद जीत की विक्ट्री दिखाते मेड़ता विधायक लक्ष्मण कलरू।

लाहोटी के जीतने पर भाजपा कार्यकताओं व जनता में खुशी की लहर है। लाहोटी के जीतने पर माला पहना कर अभिनंदन किया गया। वहीं मेड़ता उपखंड अधिकारी व चुनाव प्रभारी पूनम चोयल ने बताया कि चुनाव से पूर्व प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल किए और जांच किए उनके बाद चुनाव प्रकिया को सम्पन्न कराया गया और जीत की घोषणा की। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामधन पोटलिया, वरिष्ठ नेता पुखराज पहाड़िया, जनता प्रधान संदीप चौधरी, लक्ष्मीनारायण मुंडेल, पवन परताना, रामसुख मुंशी, त्रिभुवन जोशी, रामेश्वर घांची, राजू माली, इस्लाम पठान, दिलीप टाक, गणपत पडियार, महेश प्रजापत व गजेंद्र सिंह सहित कई भाजपा नेता व कार्यकर्ता व नगरपालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

होटल में आग लगने से महिला की मौत का मामला उलझा

श्रीगंगानगर, (निसं)। रविंद्र पथ पर होटल में आग लगने से हुई मौत के मामले में मृतका की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार कमरे से दो-तीन ऐसी वस्तुएं मिली है, जिनसे महिला की पहचान संभव है। पुलिस इनके आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

सीओ सिटी बी. आदित्य ने बताया कि घटनास्थल की गहनता से जांच की गई है। उम्मीद है कि जल्द ही महिला की पहचान हो जाएगी। मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और सभी एंगल से घटना की जांच की जा रही है। इधर, शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। महिला की शिनाख्त होने पर परिजनों को सूचित कर पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। गौरतलब है कि होटल के कमरा नंबर 308 में आग लगने से एक महिला की मौत हो गई थी। आग की जानकारी मिलने पर होटल स्टाफ ने इसे बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद दमकल भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। इस संदिग्ध मौत को प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना माना जा रहा है लेकिन महिला द्वारा गलत आईडी के आधार पर रुकने की पहेली ने मामले को उलझा दिया है। ऐसे में महिला की शिनाख्त होने पर ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

- महिला द्वारा गलत आईडी पर रुकने की पहेली ने मामले को उलझाया

पुलिस जांच में पता चला कि होटल में पहचान के लिए दिया गया आधार कार्ड किसी अन्य महिला का है। मृतका ने होटल में रुकने के लिए इसी आधार कार्ड का उपयोग क्यों किया, पुलिस इस पहेली को सुलझाने में लगी है। मृतका की ओर से होटल के रजिस्टर में लिखवाया गया मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ है। ऐसे में आशंका है कि रजिस्टर में मोबाइल नंबर भी गलत हो सकता है। हालांकि मृतका के कमरे से एक मोबाइल फोन मिला था, जो जल चुका था। उस मोबाइल फोन से भी किसी तरह की जानकारी नहीं मिली है। एफएसएल टीम इस फोन को कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली

क्रमांक :- Rajkaj-901-921 दिनांक :- 30.05.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण/ डाक एवं दुर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओ से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE PWD2526A0944
UBN No. 1. PWD2526WSOB03057, 2. PWD2526WSOB03058, 3. PWD2526WSOB03059
PWD2526WSOB03060, PWD2526WSOB03061, PWD2526WSOB03062
PWD2526WSOB03063, PWD2526WSOB03064

(चन्द्र प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड करौली

DIPR/C/7472/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांकःअअ/सांचोर/2024-25/469 दिनांकः 04.06.2025

निविदा सूचना संख्या : 03/2025-26

NIB No.: PWD2526A1128

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर विभिन्न सड़कमरम्मत कार्य (वार्षिक दर अनुबंध) हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 100.00 लाख है।

निविदा आवेदन	10 जून 2025, 9:30 बजे से 19 जून 2025, सांय 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

UBN No.- PWD2526WSRC03816, PWD2526WSRC03817, PWD2526WSRC03818
PWD2526WSRC03819, PWD2526WSRC03820

(प्रदीप पंवार)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/7721/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड जालोर

क्रमांकः अअ/जा/2025-26/ दिनांकः

ई-निविदा सूचना संख्या 04 वर्ष 2025-2026

NIB No. PWD2526A1065

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन कार्य व जालोर खण्ड कार्यालय के अधीन वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर सडक मरम्मत कार्य (Rate Contract) के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 231.52 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	11 जून 2025, 9:30 बजे से 20 जून 2025, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

UBN No.- 1. PWD2526WSOB03508, 2. PWD2526WSRC03509, 3. PWD2526WSRC03513
4. PWD2526WSRC03514, 5. PWD2526WSRC03516, 6. PWD2526WSRC03521
7. PWD2526WSRC03523, 8. PWD2526WSRC03527

(रमेश कुमार सिंघाडिया)
अधिशाषी अभियन्ता
सा. नि. वि. खण्ड जालोर

DIPR/C/7592/2025

दहेज हत्या के मामले में 10 साल की कैद

बीकानेर, (निसं)। अपर सत्र न्यायाधीश (महिला उत्पीड़न) रैना शर्मा ने दहेज हत्या के मामले में आरोपी को दोषी मानकर 10 साल के कठोर कारावास और 11,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी ने यूपी में युवती को घर से भगाकर निकाह किया और बीकानेर में रहने लगा था।

यूपी के बिजनौर में नहटौर निवासी कमरजहां खातून ने 21 अगस्त, 2020 को महिला थाने में रिपोर्ट दी थी कि मोहम्मद समीर 18 जून, 2020 को उसकी पुत्री चांदनी को घर से भगा ले गया और निकाह कर लिया। बाद में उसे लेकर बीकानेर आ गया और यहां माता-पिता, भाई के साथ रहने लगा। ससुरालवाले उसे दहेज के लिए तंग-परेशान और मारपीट करने लगे। 16 अगस्त, 2020 को चांदनी ने अपनी बड़ी बहन शबाना को फोन कर इसकी जानकारी दी। 20 अगस्त को चांदनी की मौत हो गई। दहेज के लिए उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में जांच कर आरोपी को गिरफ्तार किया और कोर्ट में चालान पेश कर दिया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई कर आरोपी को दोषी माना और 10 साल के कठोर कारावास और 11000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह राशि जमा नहीं कराने पर आरोपी को 4 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

रेल पटरियों के बीच युवक का शव मिला

नसीराबाद, (निसं)। रेलवे स्टेशन के समीप अजमेर की दिशा में रेलवे पटरियों के बीच एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही जीआरपी (रेलवे सुरक्षा बल) मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर राजकीय चिकित्सालय के चीरघर में सुरक्षित रखवाया। पुलिस ने शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू करते हुए मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

जीआरपी के वृत्त निरीक्षक फूलचंद ने बताया कि मृतक की पहचान ग्राम थांदला, जिला झाबुआ (मध्य प्रदेश) निवासी 20 वर्षीय हिमांशु के रूप में हुई है। युवक अजमेर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह नसीराबाद कैसे पहुंचा। पुलिस के अनुसार, युवक का शव रेलवे पटरियों के बीच उलटा पड़ा हुआ था और उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। इसी कारण मेडिकल बोर्ड की देखरेख में शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। प्राथमिक पूछताछ के आधार पर जीआरपी ने फिलहाल संदिग्ध मृत्यु का मामला दर्ज किया है। आत्महत्या या हत्या-यह स्पष्ट करने के लिए पुलिस जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

हथियार सहित दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जवाहरनगर पुलिस ने दो व्यक्तियों को धारदार हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने देर रात गश्त के दौरान छजगरिया मोहल्ला से इसी क्षेत्र में रहने वाले आर्यन को लोहे के धारदार हथियार कापा सहित गिरफ्तार किया। उधर, ओवरब्रिज के पास रितिक निवासी करणी मार्ग को भी कापा के साथ पकड़ा गया।

किशनगढ़ बास क्षेत्र में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी, भारी नुकसान

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में मंगलवार तड़के करीब तीन बजे तेज बारिश के साथ गिरी आकाशीय बिजली ने किशनगढ़ बास क्षेत्र को दहला दिया।

बारिश के दौरान नगर पालिका के

- बारिश के दौरान पालिका पार्षद उमेश यादव के घर पर बिजली गिरी, यह बिजली मकान की छत को चीरती हुई अंदर तक घुस गई
- आसपास के करीब एक दर्जन घरों में इनवर्टर की बैटरियां धमाके के साथ फट गई, बिजली गिराने आवाज करीब तीन किलोमीटर तक सुनाई दी

वार्ड नंबर तीन के पार्षद उमेश यादव के घर पर लगभग सुबह 5:30 बजे बिजली गिरी। यह बिजली मकान की छत को चीरती हुई अंदर तक घुस गई, जिससे घर की विद्युत लाइनें जल गईं और भारी नुकसान हो गया। इस हादसे का असर सिर्फ पार्षद के घर तक सीमित नहीं रहा। आसपास के करीब एक दर्जन घरों में

अलवर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से कई घरों की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई और पानी की टंकियां भी फट गई।

इनवर्टर की बैटरियां जोरदार धमाके के साथ फट गईं। बिजली गिराने आवाज करीब 3 किलोमीटर तक सुनाई दी, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। भयभीत लोग मकानों से बाहर निकलकर खुले स्थानों में जमा हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली गिरने से कई घरों की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई और पानी की टंकियां भी फट गई। घटना में किसी प्रकार की जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन आर्थिक नुकसान भारी है। कई परिवारों के घरेलू उपकरण जलकर खाक हो गए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार नरेंद्र भाटिया और हल्का पटवारी अजय कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने पार्षद उमेश यादव एवं अन्य प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर नुकसान का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से नुकसान का सर्वे किया जा रहा है, ताकि मुआवजा राशि तय की जा सके।

अलवर शहर में जयपलटन के सामने पुराना नीम का पेड़ मंगलवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे वहां से निकल रहे ई-रिक्शा पर गिर गया। हादसे में ई-रिक्शा चालक गंभीर घायल हो गया। वहीं तड़के तीन बजे के बाद जोरदार बारिश से नालों का कीचड़ रोड पर आ गया। कई जगहों पर सड़क पर कीचड़ बिछ गया, जिस पर फिसल कर कई दोपहिया वाहन भी गिर गए। बारिश होने से नालों का कीचड़ तेज बहाव पानी के साथ रोड पर आ गया। सबसे अधिक एसएमडी सर्किल, काली मोरी, अंबेडकर नगर, जिला अस्पताल सहित अनेक जगहों पर कीचड़ ही कीचड़ बिछा हुआ है। एसएमडी सर्किल पर करीब 200 मीटर तक कीचड़ बिछा हुआ है। इस कीचड़ को हटाने के भी बड़ी मशीन लगानी पड़ी।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर

क्रमांक-450 दिनांक-30.05.2025

Short Term Notice Inviting Bid : 07 / 2025-26

Bid for the Construction of Various Atal Pragati Path for the year 2025-26 are invited from interested bidders upto 05.06.2025 [09:30 AM] to 16.06.2025 [06:00 PM] & Open date 17.06.2025 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www. pwd.rajasthan.gov.in & eproc. rajasthan.gov.in & http:// sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs.692.80 Lakh.

UBN No.- 1. PWD2526WSOB02997, 2. PWD2526WSOB02999
3. PWD2526WSOB03000, 4. PWD2526WSOB03004

Executive Engineer,
PWD Distt. Dn-i, Bikaner

DIPR/C/7370/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड-II बीकानेर

क्रमांक-195 दिनांक-30.05.2025

ई-बोली सूचना संख्या-01/2025-2026

Bid for Constt of Boundary Wall & Mtc Bheemsen Choudhary Govt Collage Lunkaransar & Atal Path at Bigga SDGH are invited from interested bidders from 02-06-2025 to 23-06-2025 6.00 PM. and to be opened 24-06-2025 02:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:// sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD Department website. The approximate value of the procurement is Rs 286.00 Lac

UBN is: PWD2526WSOB02957, UBN is: PWD2526WSOB02960

(महेन्द्रपाल सिंह चालिया)
अधिशाषी अभियन्ता
सानिवि जिला खण्ड-II बीकानेर

DIPR/C/7428/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मालपुरा

क्रमांकः 381 दिनांकः 30/05/2025

अप्लकालीन निविदा सूचना संख्याः 07/2025-26 खण्ड मालपुरा

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड मालपुरामें सडक/भवननिर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.: PWD2526A0927
1. PWD2526WSOB02996, 2. PWD2526WSOB02998
3. PWD2526WSOB03001, 4. PWD2526WSOB03003
5. PWD2528WSOB03005, 6. PWD2526WSO803006
7. PWD2526WSOB03007, 8. PWD2526WSOB03008

अधिशासी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड मालपुरा

DIPR/C/7369/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड भीनमाल

क्रमांकःअअ/भीनमाल /2025-26/250 दिनांकः 04/06/2025

निविदा सूचना संख्या :02 वर्ष 2025-2026

NIB No.: PWD2526A1066

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से **विभिन्न सडक पेच मरम्मत कार्य हेतु (वार्षिक दर अनुबंध)** उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 4 सडक पेच मरम्मत कार्य जिनकी लागत राशि रू. 120.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन वार्षिक दर अनुबंध निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	09 जून 2025, प्रातः 9:30 बजे से 18 जून 2025, सांय 6.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवष्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

1. UBN: PWD2526WSRC03518
2. UBN: PWD2526WSRC03531
3. UBN: PWD2526WSRC03540
4. UBN: PWD2526WSRC03543

(ओम प्रकाश)
अधिषाशी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड भीनमाल

DIPR/C/7597/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खण्ड-द्वितीय, जयपुर

क्रमांक :-919 दिनांक :- 06-6-25

ई- निविदा सूचना संख्याः 20/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों :-

क्र. सं.	कार्य का नाम	संवेदक की श्रेणी	डिफेक्ट लाईब्लिटी अवधि	UBN No.
1	Construction of Neuro OT Block Third Floor in Institute of Traumatology and Orthopedic under PWD Sub Dn.-II SMS Hospital, Jaipur, Jaipur (Joinery work)	"F-1" (Joinery)	अनुबन्धानुसार	PWD2526 WSOB03971
2	Construction of Neuro OT Block Third Floor in Institute of Traumatology and Orthopedic under PWD Sub Dn.-II SMS Hospital, Jaipur, Jaipur (Sanitary work)	"S-1" (Sanitary)	अनुबन्धानुसार	PWD2526 WSOB03973
3	Construction of Neuro OT Block Third Floor in Institute of 3. Traumatology and Orthopedic under PWD Sub Dn.-II SMS Hospital, Jaipur, Jaipur (Civil work)	"B" (Civil)	अनुबन्धानुसार	PWD2526 WSOB03976

हेतु सम्मुख अंकित दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरीयड) सहित सा.नि.वि. मे उपयुक्त श्रेणी (नियमानुसार) में पंजीकृत संवेदक एवं संवेदक जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवम् दूर संचार, रेल्वे या अन्य राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों जो कि राजस्थान सरकार के "एए" अथवा "ए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित परिपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.dipronline.org, www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.pwd.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan पर देखा जा सकता है।

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. नगेर खण्ड-2, जयपुर

DIPR/C/7698/2025

केदारनाथ हेलिकॉप्टर हादसे में दिवंगत पायलट राजवीर सिंह का अंतिम संस्कार

पार्थिव देह को नमन करने उमड़ा जनसैलाब, मंत्री राज्यवर्द्धन भी पहुंचे

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर क्रेश में दिवंगत पायलट राजवीर सिंह की पार्थिव देह पर मंगलवार को सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ और परिवारजनों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

जयपुर। केदारनाथ के पास गौरीकुंड क्षेत्र में रविवार को श्रद्धालुओं को ले जा रहे हेलीकॉप्टर क्रैश में जयपुर के शास्त्री नगर निवासी पायलट राजवीर सिंह की मौत हो गई थी। सोमवार देर रात उनका शव जयपुर पहुंचा और जिसके बाद मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम दर्शन के लिए उनके घर और गांव में सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। जैसे ही राजवीर का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, हर आंख नम हो गई। जयपुर से लेकर केदारनाथ तक इस हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। राजवीर की पत्नी दीपिका भी लेफ्टिनेंट कर्नल हैं और अंतिम यात्रा में दीपिका आर्मी यूनिफॉर्म पहने नजर आईं। जो पति की फोटो लेकर चल रही थीं। पति को आखिरी विदाई देते हुए दीपिका ने उन्हें सैल्यूट भी किया।

राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। शव यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण और परिजन 'अमर रहे राजवीर भैया' के नारों के साथ शामिल हुए। इस मौके पर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे।

वहीं मोक्षधाम में आर्मी के अधिकारियों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। राजवीर के भतीजे ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के बाद गांव की चौपाल पर सभी गणमान्य लोगों और ग्रामीणों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

अंतिम यात्रा में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और राजवीर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा, ''राजवीर सिंह जैसे सच्चे और ईमानदार इंसान की कमी कभी पूरी नहीं हो सकती। उनका इस तरह जाना पूरे जयपुर और प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षित है। भगवान उनके परिवार को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति दे।''

अंतिम यात्रा में नगर निगम जयपुर की महापौर सौम्या गुर्जर, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कर्मचारी संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए। अंतिम यात्रा में जयपुर की सरस डेयरी के चेयरमैन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के गणमान्य लोगों ने भी पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

ग्रामीणों ने बताया कि राजवीर सिंह बेहद मिलनसार, ईमानदार और हर किसी की मदद के लिए हमेशा तैयार रहने वाले इंसान थे। वे कई वर्षों से अपने बूढ़े माता-पिता, पत्नी और बच्चों का सहारा थे। हादसे से दो दिन पहले ही उन्होंने अपने गांव के एक निर्धन परिवार की बच्ची की पढ़ाई का खर्च उठाने का वादा किया था।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बिड़ला मंदिर में की पूजा-अर्चना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मंगलवार को बिड़ला मंदिर पहुंचे। उन्होंने वहां लक्ष्मी नारायण की विधिवत पूजा और आरती में भाग लिया।

राज्यपाल ने लक्ष्मी नारायण से राज्य की सुख, समृद्धि और सबके मंगल की कामना की। उन्होंने मंदिर की कलाकृति और खूबसूरती को निहारा और इसके सौंदर्य व कलाकृति को सराहा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व)आयोग के अध्यक्ष मदन लाल (सेवानिवृत न्यायाधीश) सहित सदस्य प्रो.राजीव सक्सेना, एडवोकेट गोपाल कृष्णा एवं पवन मंडाविया ने शिष्टाचार भेंट की।

केंद्रीय नेतृत्व के दखल के बाद झुंझुनूं, जोधपुर देहात उत्तर और धौलपुर में जिलाध्यक्षों की घोषणा

- **हालांकि दौसा जिला अध्यक्ष की घोषणा अभी भी अटकी हुई हैं, चर्चाएं हैं कि यहां भी शीर्ष नेतृत्व को ही दखल देना पड़ेगा**
- **हैरानी की बात यह है कि करीब साढ़े 3 माह बीतने के बाद भी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ नियुक्तियां नहीं कर पाए हैं। प्रदेश में आज भी करीब 60 मंडल अध्यक्ष और 1 जिलाध्यक्ष की नियुक्तियां अटकी हुई है**

जयपुर। भाजपा प्रदेश संगठन में मंगलवार को केन्द्रीय नेतृत्व के दखल के बाद झुंझुनूं, जोधपुर देहात उत्तर और धौलपुर में जिला अध्यक्षों की घोषणा हुई है। प्रदेश संगठन में 6 माह बाद केंद्रीय नेतृत्व के दखल के बाद यह नियुक्तियां हुई। इनमें झुंझुनू में हर्षिनी कुल्हाड़ी, जोधपुर देहात उत्तर में ज्योति ज्याणी और धौलपुर में राजवीर सिंह राजावत को जिला अध्यक्ष घोषित किया गया है।

बताया जा रहा है कि हाल ही में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल.संतोष ने जिलों में बनाए गए प्रभारियों से सीधे संपर्क कर जिला अध्यक्षों के नाम पर चर्चा की थी और उनसे रिपोर्ट भी मंगवाई थी। इसके बाद मंगलवार को इन तीन जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई हैं। हालांकि दौसा के जिला अध्यक्ष की घोषणा फिलहाल अटकी हुई है, परंतु माना जा रहा है कि यहां भी केंद्रीय नेतृत्व को ही दखल देना पड़ेगा।

इसके अलावा करीब साढ़े 3 माह बीतने के बाद भी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ नियुक्तियां नहीं कर पाए हैं। प्रदेश में आज भी करीब 60 मंडल अध्यक्ष और 1 जिलाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई हैं। वहीं मंडल से लेकर प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी नहीं हुआ है। प्रदेश में नई कार्यकारिणी के गठन के पीछे भाजपा की तरफ से तर्क दिया जाता है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद नई कार्यकारिणी का गठन होगा।

क्योंकि प्रदेश कार्यकारिणी के नामों पर केन्द्रीय नेतृत्व की सहमति जरूरी हैं। इधर, प्रदेश में लंबे समय से अटके 1 जिलाध्यक्ष के नाम को लेकर अब सवाल खडे होने लगे हैं। क्योंकि इनकी नियुक्ति प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को करनी हैं। प्रदेश भाजपा में 44 संगठनात्मक जिले हैं। जिलाध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया 31 जनवरी को पूरी हो गई थी। उस समय तक 40 जिलों में जिलाध्यक्षों का निर्वाचन हो गया था। वही मंगलवार को 3 जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई। दौसा में पार्टी किसी ब्राह्मण को जिलाध्यक्ष बनाना चाहती हैं।

लेकिन बताया जाता है कि वहां स्थानीय विधायक और मंत्री किसी एक नाम पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं। दौसा में तो पार्टी 27 में से अभी केवल 13 मंडल अध्यक्ष ही बना पाई हैं। जिसमें से भी 2 मंडल अध्यक्षों को लेकर विवाद चल रहा हैं।

राजस्थान विधानसभा के गेट के पास घुसी कार

जयपुर। ज्योति नगर थाना इलाके में एक बेकाबू कार विधानसभा के गेट में घुस गई। इसके बाद ड्राइवर रेलिंग तोड़कर कार को लेकर फरार हो गया। ज्योति नगर थाने में विधानसभा सिक्योरिटी में तैनात एएसआई ने मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि जामडोली के माधव नगर के रहने वाले भागीरथ सिंह (49) ने मामला दर्ज करवाया कि वह राजस्थान विधानसभा की सिक्योरिटी में एएसआई हैं। शिकायत में बताया कि सोमवार तड़के करीब 3:10 बजे अज्ञात चौपहिया वाहन ओवर स्पीड में विधानसभा की ओर आया।

विधानसभा के गेट नंबर-3 पर स्थित गुमटी के पास बेकाबू होकर लोहे की रेलिंग में जा घुसा। टक्कर मारकर कार से लोहे की रेलिंग को तोड़ दिया। सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाने के बाद ड्राइवर मौके से कार लेकर फरार हो गया। विधानसभा के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में सरकारी सम्पति को नुकसान पहुंचाने की करतूत कैद मिली। ज्योति नगर थाने में सिक्योरिटी एएसआई ने टक्कर मारने वाली गाड़ी व ड्राइवर का नाम-पता मालूम कर कार्रवाई करने के लिए शिकायत दर्ज करवाई।

कांग्रेस जिला महामंत्री सहित 3 नेताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

- **कांग्रेस जिला महासचिव जवाहर लाल अग्रवाल, नगर पालिका केसरीसिंहपुर अध्यक्ष सुमित्रा रानी अग्रवाल और कांग्रेस नेता लक्की चावला को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई**

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और विकास की नीतियों से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता लगातार भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने श्रीगंगानगर जिले के कांग्रेस जिला महासचिव जवाहर लाल अग्रवाल, नगर पालिका केसरीसिंहपुर अध्यक्ष सुमित्रा रानी अग्रवाल और कांग्रेस नेता लक्की चावला को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा तथा श्रीगंगानगर से पृथ्वीपाल सिंह, महेंद्र कुमार, गुरूप्रीत सिंह बराड भी उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, जो पार्टी के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

'लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भागीदारी से साकार होगी जल संरक्षण की संकल्पना'

- **वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मीडिया राउंड टेबल का हुआ आयोजन**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में मंगलवार को जयपुर जिला प्रशासन द्वारा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत द्वारा मीडिया राउंड टेबल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मीडिया राउंड टेबल कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर के प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स ने भी शिरकत की और परिचर्चा में सक्रिय भागीदारी निभाई।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, कृषि विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, वन विभाग, नगर निगम, उद्यानिकी विभाग, भू-जल विभाग एवं राजीविका विभाग के अधिकारियों ने मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों के समक्ष अपना प्रस्तुतिकरण दिया एवं वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण एवं जल संचयन की दिशा में हुए विकास कार्यों एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने अभियान के तहत अब तक जिले में किए गए जल संरक्षण कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सक्रिय एवं सकारात्मक भागीदारी से ही जिले में जल संरक्षण एवं जल संचयन की संकल्पना साकार होगी।

भूजल संग्रहण की महत्ता को रेखांकित करते हुए अभियान की रूपरेखा, गतिविधियों और आगामी योजनाओं के संबंध में विस्तार से संवाद किया। उन्होंने बताया कि जिले भर में साफ-सफाई, पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें आमजन और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। वाटरशेड विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता दिनेश कुमार ने वर्षा जल संग्रहण को भूजल संवर्धन का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों की उपयोगिता तथा जिले में चल रहे विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी मीडिया के समक्ष रखी।

प्रतिभा वर्मा ने बताया कि जल संरक्षण एवं जल संचयन के प्रति आमजन में जागरुकता बढ़ाने, जल स्त्रोतों की स्थिरता एवं पुनर्निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने एवं जल संकट से निपटने के लिए उपयों को लागू करने, ग्रामीण एवं शहरी समुदायों में जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने, जल संरक्षण में जन भागीदारी सुनिश्चित करने एवं स्थानीय आमजन को सक्रिय रूप से भागीदार बनाने, जलवायु परिवर्तन के कारण जल संकट की गंभीरता को कम करने की दिशा में प्रयास करने, अकार्यशील हैंडपंप, सूखे कुएं एवं नलकूपों के माध्यम से भूजल को पुन:भरण को बढ़ावा देने, व्यर्थ बहने वाले वर्षा जल को रिचार्ज शॉफ्ट के माध्यम से भूजल पुन:भरण करने में भागीदारी निभाने का आव्हान किया।

'स्वदेशी, स्वावलंबन से ही होगा भारत सशक्त'

- **स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान का दो दिवसीय विचार वर्ग**

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने कहा है स्वदेशी केवल वस्तु नहीं, बल्कि आत्मिक पहचान की भावना है। यह आंदोलन 1905 में बंग-भंग के विरोध से शुरू हुआ, लेकिन इसकी जड़ें रामायण काल से जुड़ी हैं। वे स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान जयपुर प्रांत के दो दिवसीय विचार वर्ग व कार्यशाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ धर्मवीर चंदेल ने बताया कि इस अवसर पर प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने स्वामी विवेकानंद का उद्धरण देते हुए कहा कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं की चर्चा करते हुए हुए कहा कि स्वदेशी भावना से ही भारत आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से विश्व का नेतृत्व कर सकता है। उन्होंने एकात्म मानववाद को भारत की मौलिक विचारधारा बताया, जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित है। यह विचारधारा व्यक्ति, समाज और प्रकृति के संतुलन पर आधारित है और पश्चिमी पूंजीवाद व समाजवाद का भारतीय विकल्प है। उन्होंने चार पुरुषार्थ – धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष – के संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। जनसंख्या संकट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की गिरती प्रजनन दर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत भी 2035 के बाद जापान की तरह बूढ़े देश में बदल सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था और संस्कृति दोनों संकट में आ सकते हैं।

प्रत्येक नागरिक 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाने में व्यक्तिगत योगदान सुनिश्चित करे। ''नौकरी'' के बजाय ''जीविका'' आधारित शिक्षा और रोजगार की ओर बढ़ने, परिवारों में राष्ट्र के भविष्य पर संवाद बढ़ाने और युवाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता बताई गई। स्वदेशी के अखिल भारतीय विचार विभाग प्रमुख राजीव कुमार ने कहा कि ''स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान'' की शुरुआत 12 जून को दिल्ली से हुई है, जिसका उद्देश्य स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देना और स्वदेशी भावना का विस्तार करना है।

शातिर बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश को धर-दबोचा है और उसके पास से दो जिंदा कारतूस,107 पव्वे शराब सहित चुराए गए तीन दुपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नाश करने का आदि है और जो अपने साथियों के साथ मिलकर चुराए गए दुपहिया वाहनों से मोबाइल,चेन और पर्स स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देता है। आरोपित ने जयपुर शहर के विभिन्न थाना इलाके में दो दर्जन से अधिक स्नेचिंग की वारदातों सहित तीन दुपहिया वाहन को चुराना स्वीकार किया है। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ लूट,स्नैचिंग,चोरी और नकबजनी के अठारह मामला दर्ज है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश जुबेर खान उर्फ काणा निवासी भट्टा बस्ती को गिरफ्तार किया है।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर ने बताया कि गिरफ्तार शुदा आरोपित ने विश्वकर्मा, सदर, सिन्धी कैम्प, झोटवाड़ा, करधनी से चुराई गई।

मदन राठौड़ ने प्रवक्ता और पैनेलिस्टों के साथ की बैठक

- **राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार और आगामी कार्यक्रमों पर की चर्चा**

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी के प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक की। राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सटीक और तथ्यात्मक जानकारी हम सभी को साझा करनी है। भाजपा के प्रवक्ता और पैनेलिस्ट समाचार चैनल के माध्यम से हमारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाते है, इस लिए वे हर टीवी डिबेट में आंकड़ों के साथ अपनी बात रखें। राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने डेढ़ साल में जो कार्य किए हैं, उन्हें आंकड़ों के साथ जनता तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। मोदी सरकार की योजनाओं को सही तरीके से प्रस्तुत करना आवश्यक है ताकि जनता को उनके लाभ का सही ज्ञान हो सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि हम सभी को सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मीडिया और अन्य माध्यमों का प्रभावी उपयोग करना चाहिए। इसके साथ ही संगठन के आगामी कार्यक्रमों को टीवी डिबेट्स के माध्यम से आमजन तक पहुंचाए। राठौड़ ने जनता के सरोकारों के लिए क्या कार्य किए जा सकते हैं, इस संबंध में भाजपा प्रवक्ता एवं पैनेलिस्टों से सुझाव मांगे।

बैठक में भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के दिशा-निर्देशन में हम सभी मीडिया साथियों को संगठनात्मक नीतियों की अक्षरश पालान करते हुए डिबेट में पूरी तैयारी के साथ पार्टी का पक्ष रखना है एवं अपने आप को समसामयिक विषयों के साथ राजनीतिक, सरकार के लोककल्याणकारी कार्यों के बारे में पूर्ण जानकारी रखनी चाहिए। बैठक में भाजपा के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल सहित सभी प्रवक्ता एवं पैनेलिस्ट उपस्थित रहे।

'इंदिरा गांधी ने लगाया था आपातकाल, संकट देश पर नहीं, इंदिरा की कुर्सी पर था'

- **भाजपा प्रदेशभर में काला दिवस के रूप में मनाएगी आपातकाल की 50वीं बरसीः- मदन राठौड़**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत की।

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मीडिया बाइट के दौरान कहा कि भारतीय जनता पार्टी 25 जून को आपातकाल की 50वीं बरसी ''काला दिवस'' के रूप में मनाएगी। इस अवसर पर प्रदेशभर में बूथ, मंडल, जिला और प्रदेश स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि देश की नई पीढ़ी को आपातकाल के काले अध्याय से अवगत कराया जा सके। राठौड़ ने कहा, ''25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू किया गया, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला दिन था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका के फैसले को चुनौती देते हुए आपातकाल की घोषणा की, जिससे देश में लोकतंत्र की हत्या हुई।''

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि ''इंदिरा गांधी ने 1971 के चुनाव में सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया और चुनावी धांधली की। जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराया और चुनाव रद्द किया, तो उन्होंने सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए आपातकाल लागू किया। इस दौरान विपक्ष के नेताओं को जेल में डाला गया, मीडिया पर सेंसरशिप लगाई गई और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ।'' राठौड़ ने यह भी कहा कि इस काले दिन की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा प्रदेशभर में जागरूकता अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा, ''हमारा उद्देश्य है कि देश की नई पीढ़ी जान सके कि आपातकाल के दौरान क्या हुआ था और लोकतंत्र की कीमत क्या होती है।'' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से अपील की कि वे इस काले दिवस को याद करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संकल्प लें।

राज्य सेवा से आई.ए.एस. में प्रमोशन के लिए मंथन शुरू

जयपुर (कासं)। वर्ष 2024 के लिए स्टेट सिविल सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) में प्रमोशन को लेकर मंगलवार को नई दिल्ली में बोर्ड बैठक का आयोजन हुआ। सूत्रों की मानें तो 2024 के लिए प्रमोशन के जरिये चयन के लिए 19 पद निर्धारित हैं। जिसके लिए इस बार 1997 और 1998 बैच के अधिकारी दावेदार हैं।

वर्ष 1997 बैच में डॉ. राकेश कुमार शर्मा, नवनीत कुमार, सुखवीर सैनी, जसवंत सिंह, हरफूल सिंह यादव, राजेश वर्मा, सुरेशचंद्र, महेन्द्र कुमार खींची, अजीत सिंह राजावत, अवधेश सिंह, राकेश शर्मा, जगवीर सिंह, बृजेश कुमार चांदोलिया और डॉ. हरसहाय मीणा को प्रमुख दावेदारों में शामिल माना जा रहा है। इसी प्रकार वर्ष 1998 बैच में जुगल किशोर मीणा, ललित कुमार, डॉ. शिवप्रसाद सिंह और मेघना चौधरी प्रमुख दावेदार हैं। बताया जा रहा है कि रिक्त 19 में से 18 पदों पर ही प्रमोशन के ज़रिए चयन हो सकता है। जबकि शेष एक पद के लिए प्रकरण डेफ़र्ड होना भी संभव प्रतीत हो रहा है। इस बैठक में राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल और केके पाठक भी शामिल हुए थे।

दिव्यांग पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को स्कूटर व अन्य उपकरण वितरित

राजस्थान एक्स सर्विसमैन कॉरपोरेशन की ओर से दिव्यांग पूर्व सैनिकों को तीन पहिए के स्कूटर व अन्य उपकरण वितरित किए।

जयपुर। राजस्थान एक्स सर्विसमैन कॉरपोरेशन (रेक्स्को) ने मंगलवार को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अन्तर्गत दिव्यांग पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को तीन पहिए के स्कूटर व अन्य उपकरण वितरित किए। यह कार्यक्रम जयपुर सैन्य छावनी के सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

सैनिक कल्याण विभाग के ब्रिगेडियर वीएस राठौड़ ने बताया कि सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जरूरी कार्य को लेकर मुख्य मंत्री के साथ मिटींग होने से वे नहीं आ आये। इस अवसर पर संबोधित करते हुए रेक्स्को के प्रबंध निदेशक मेजर जनरल विजय सिंह ने कहा कि रेक्स्को राजस्थान सरकार का उपक्रम है जो 2012 में गठन के बाद सदैव अग्रसर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि रेक्स्को राज्य के पूर्व सैनिकों को सम्मानजक रोजगार दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। मेजर जनरल सिंह ने बताया कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत पहले भी हर वर्ष पूर्व सैनिकों के हितों के लिए उपकरण दिए जाते रहे हैं व यह क्रम आगे भी जारी रहेगा। सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीएस राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत नही होता बल्कि वे हर समय राष्ट्र के लिए काम करते रहते हैं कार्यक्रम में तीन पहिए के 12 स्कूटर, हाथ से चलने वाली साइकिल, व्हील चेयर व दिव्यांग सेंसर वितरित किए गए। रेकस्को के उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व सैनिकों को राज्य सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीएस राठौड़ व मेजर जनरल विजय सिंह ने नकदी, रेक्स्को का स्मृति चिन्ह व प्रशंसा-पत्र देकर सम्मान प्रदान किया।

कार्यक्रम में जीओसी 61 सब एरिया मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा,सैनिक कल्याण विभाग के वरिष्ठ शासन उप सचिव भरत सोखियां, रेक्स्को के प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन) कैप्टेन नरेन्द्र गजराज व रेक्स्को के प्रशासनिक अधिकारी (सुरक्षा) सुबेदार मेजर बजरंग सिंह राठौड़ समेत जयपुर के पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। मंच का संचालन सुबेदार मेजर दिनेश शर्मा ने किया।

1221 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद, तीन जने गिरफ्तार

तहसील बस्सी के गांव जयसिंहपुरा में स्थित एक बाड़े पर छापामार कर डोडा-चूरा जब्त किया

कोटा, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर रोक लगाने एवं तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत् केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों ने जिला चितौड़गढ़ के तहसील बस्सी गांव जयसिंहपुरा में स्थित एक बाड़े पर छापामार कर 1221.730 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया तथा तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। यह कार्यवाही उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि जिला चितौड़गढ़ के तहसील बस्सी के गांव जयसिंहपुरा में एक बाड़े पर अवैध डोडा-चूरा से भरी एक पिकअप खड़ी है।

बाड़े में छापामार कर अवैध डोडा-चूरा बरामद किया।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि उक्त सूचना पर चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और मौके पर रवाना की गई। उक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर बाड़े पर छापा मार कर बाड़े से 1221.730 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध डोडा चूरा, एक बाईक और एक पिकअप को जब्त कर लिया गया तथा एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रखेगा ताकि राज्य में नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जा सके।

296 किलो डोडा-चूरा सहित कार जब्त

उदयपुर, (निसं)। जिले के बैकरिया थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान 296 किलो 96 ग्राम अवैध डोडा-चूरा से भरी कार जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल क निर्देश पर बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर सोमवार को नेशनल हाइवे पर थाने के सामने नाकाबंदी के दौरान उदयपुर की तरफ से आ रही कार को रूकने का इशारा किया। इस पर चालक कार टर्न कर उदयपुर की तरफ भगा ले गया, जिसका पीछा किया तो सिरवल कट से अंदर की तरफ भीमाणा की तरफ ले गया, जहां टायर पंचर होने पर झाड़ियों में कार फंस गई। इसको देख चालक व साथी कार छोड़ कर जंगल की तरफ फरार हो गए। पुलिस ने मौके वे कार जब्त कर उसमें रखे 16 प्लास्टिक के कट्टों की तलाश ली तो उसमें 296 किलो 96 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा पाया गया।

छबड़ा पालिका का सहायक कर्मचारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

- पानी के कैम्परों के बिल पास कराने एवं धरोहर राशि वापस लौटाने की एवज में रिश्वत की मांग की थी

छबड़ा, (निसं)। नगर पालिका में पानी के बिल के भुगतान के मामले में 6400 रूपए की रिश्वत लेने पर एसीबी ने मंगलवार को एक सहायक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। कर्मचारी ने पानी के कैम्परों के बिल पास कराने एवं धरोहर राशि वापस लौटाने की एवज में रिश्वत की मांग की थी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी चौकी बारां को एक शिकायत 7 मई को इस आशय की मिली थी कि आरोपी युसुफ खान द्वारा नगर पालिका के पानी के कैम्परों के बिल पास करने एवं धरोहर राशि वापस लौटाने की एवज में 9400 रूपए रिश्वत की मांग की थी। इसके पश्चात् रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया गया। आरोपी ने सत्यापन के दौरान 3000 रूपए की रिश्वत राशि प्राप्त की, शेष राशि 6400 रूपए के लेन-देन के लिए 12 मई को ट्रेप कार्रवाई का आयोजन किया। आरोपी ने सावधानी बरतते हुए रिश्वत राशि फोन-पे से बिल पास होने के बाद प्राप्त करने को कहा। 17 जून 2025 पुनः

आरोपी सहायक कर्मचारी यूसुफ खान

ट्रेप कार्रवाई का आयोजन किया। आरोपी ने अपने बेटे के फोन-पे पर रिश्वत राशि डालने को कहा, जिस पर आरोपी के बेटे के फोन-पे पर 6400 रूपये की रिश्वत राशि का भुगतान किया। एसीबी के उपमहानिरीक्षक शिवराज मीणा के सुपरविजन में एसीबी चौकी बारां द्वारा कालू राम वर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में मंगलवार को टीएलओ प्रेमचंद उप अधीक्षक पुलिस एसीबी बारां द्वारा मय टीम के साथ ट्रेप की कार्वाई करते हुए मनोहरथाना निवासी युसुफ खान सहायक कर्मचारी हाल सफाई निरीक्षक नगर पालिका को 6400 रूपए की रिश्वत राशि जरिए फोन-पे से प्राप्त करने पर गिरफ्तार किया। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

पेंशन में 8 माह शेषः- युसुफ खान छबड़ा नगर पालिका में सहायक कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। जिनकी फरवरी 2026 में पेंशन होनी थीं। पेंशन के आठ माह पूर्व एसीबी की कार्रवाई से कर्मचारी को पेंशन में भी काफी परेशानी झेलनी पड़ेगी।

सहायक लेखाधिकारी 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। पंचायत विकास कार्यों की स्वीकृति में अड़ंगा डालकर रिश्वत मांगने वाले सहायक लेखाधिकारी को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पंचायत समिति कार्यालय श्रीगंगानगर में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पंचायत समिति श्रीगंगानगर में कार्यरत सहायक लेखाधिकारी हेतराम ढालिया ने ग्राम पंचायत चूनावढ़ में प्रस्तावित दो पाइप लाइन कार्यों की फाइल पास करने के बदले 18 हजार रुपये की मांग की थी। एसीबी ने 15 हजार रुपये की पहली किश्त लेते ही उसे धर दबोचा।

एसीबी के अनुसार ग्राम पंचायत चूनावढ़ की सरपंच निशा रानी के प्रतिनिधि के तौर पर काम देखने वाले परिवादी राजेश कुमार ने शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमे बताया कि पंचायत क्षेत्र में जल निकासी के 2 कार्य प्रस्तावित हैं।

रामलीला ग्राउंड के जोहड़ से 30 जीजी खाले तक और वार्ड नंबर 12 के जोहड़ से 24 जीजी तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य। दोनों कार्यों की अनुमानित लागत 18 लाख रुपये हैं। परिवादी ने बताया कि जब वह इन कार्यों की वित्तीय स्वीकृति के लिए पंचायत समिति कार्यालय गया तो सहायक लेखाधिकारी हेतराम ढालिया ने कुल लागत का एक फीसदी हिस्सा खर्चा-पानी के रूप में मांगा। उसने 18 हजार रुपये की मांग की और बिना रिश्वत लिए फाइल आगे बढ़ाने से मना कर दिया। एसीबी श्रीगंगानगर प्रथम इकाई ने शिकायत का सत्यापन कर ट्रैप योजना बनाई। उपमहानिरीक्षक पुलिस तृतीय राजेश सिंह के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन कुमार मीणा के निर्देशन में कार्रवाई हुई। उप अधीक्षक भूपेंद्र कुमार सोनी और टीम ने हेतराम ढालिया को परिवादी से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

करंट लगने से युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के हिंदुमलकोट थाना इलाके के गांव दुलापुर केरी में देर रात करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान लक्ष्मणराम नायक (निवासी वार्ड नंबर 7) के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने जोधपुर डिस्कॉम (बिजली विभाग) पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, बिजली के खंभे या लाइन में आई तकनीकी खराबी के चलते लक्ष्मण राम को करंट लगा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि डिस्कॉम के कर्मचारियों को बार-बार खराब लाइन की सूचना देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे यह हादसा हुआ।

हादसे के बाद मृतक के परिजनों व ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह ग्रामीणों हिंदुमलकोट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर धरना शुरू कर दिया। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक दोषी बिजली कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती और पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता नहीं दी जाती, वे शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नहीं देंगे।

श्रीगंगानगर में रियल स्टेट व्यापारी को बदमाशों ने गोली मारी, अस्पताल में भर्ती कराया

- हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस ग्रुप ने ली, इसको लेकर अनमोल विश्नोई नाम के फेसबुक आईडी से की गई एक पोस्ट शेयर हो रही है
- श्रीगंगानगर शहर के व्यस्ततम जस्सा सिंह मार्ग पर जिम के बाहर बाइक सवार दो युवकों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया
- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावरों ने एक के बाद एक कई गोलियां चलाई और करीब पांच से सात राउंड फायरिंग हुई है

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक जिम के बाहर रियल स्टेट व्यापारी को गोली मार दी गई। व्यापारी के जिम से निकलते ही उन पर दो बदमाशों ने अचानक ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी। गोलियों की आवाज से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यह पूरा घटनाक्रम मंगलवार सुबह करीब सवा दस बजे हुआ, जो सीसीटीवी में कैद हो गया। इस हमले में व्यापारी के पैर में गोली लगी है। श्रीगंगानगर शहर के व्यस्ततम जस्सा सिंह मार्ग पर बाइक सवार दो युवकों ने फायरिंग की इस घटना को अंजाम दिया। घायल व्यापारी आशीष गुप्ता (50) को लोगों ने तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया, उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस ग्रुप ने ली है। इसको लेकर अनमोल विश्नोई नाम के फेसबुक आईडी से की गई एक पोस्ट शेयर हो रही है। वहीं एसपी गौरव यादव ने कहा कि कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले है, जल्द से जल्द घटना का खुलासा करेंगे।

श्रीगंगानगर शहर में जस्सा सिंह मार्ग पर व्यापारी आशीष गुप्ता जिम से बाहर निकलकर खड़े होकर फोन पर बात कर रहे थे। इसी दौरान एक हमलावर बंदूक लेकर आया और अचानक फायरिंग करने लगा। उसने व्यापारी पर फायरिंग की। फायरिंग होती देख आशीष बचने के लिए भागे। हमले से बचने के लिए आशीष दौड़कर जिम के चैनल गेट के अंदर घुस गए। उन्हें अंदर जाता देख हमलावर ने वापस टर्न ले लिया। सीसीटीवी फुटेज में नजर आया कि हमलावर का एक साथी और था। फायरिंग के बाद हमलावर जिस रास्ते से आए थे, उसी से वापस भाग छूटे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावरों ने एक के बाद एक कई गोलियां चलाई और करीब पांच से सात राउंड फायरिंग हुई है। गोलियां चलने की आवाज से आसपास क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी पृथ्वीपाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, जांच शुरू की गई। घटनास्थल से कुछ खाली कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने जिलेभर में नाकाबंदी करवाई है। शहर के सभी प्रवेश और निकासी मार्गों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

प्रारंभिक जांच में रंजिश की आशंका जताई गई है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। घटना के बाद जिम संचालक और आसपास के लोग डरे हुए हैं। पुलिस ने पीड़ित आशीष गुप्ता के बयान दर्ज किए हैं। आशीष गुप्ता प्रॉपर्टी कारोबार से जुड़े हैं। शहर में उनकी कई कॉलोनियां है। दिनदहाड़े हुई इस फायरिंग से शहर में दहशत का माहौल है। इधर व्यापारी पर हुई फायरिंग के मामले में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर हो रही है। जिस पर व्यापारी आशीष गुप्ता पर हुए हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस ग्रुप ने ली है। अनमोल विश्नोई नाम के फेसबुक आईडी से डाली गई इस पोस्ट में लिखा है कि आशीष गुप्ता पर हरि बॉक्सर और आरजू ने अनमोल बिश्नोई के कहने पर गोलियां चलवाई है।

आशीष गुप्ता पर लोगों से जमीन के नाम पर ठगी करने का भी इस फेसबुक पोस्ट में जिक्र किया गया है। फेसबुक पोस्ट में आशीष गुप्ता को चेतावनी देते हुए सुधर जाने के लिए लास्ट वार्निंग दी है। हालांकि पुलिस द्वारा अभी तक इस पोस्ट को लेकर जांच की जा रही है।

पूरे मामले को लेकर एसपी गौरव यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलने पर घटनास्थल का मौका मुआयना किया गया है। घटना के संबंध में साक्ष्य जुटाए है। कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जल्द से जल्द घटना का खुलासा करेंगे। वहीं अस्पताल में भर्ती पीड़ित व्यापारी से भी मिलकर घटना की जानकारी ली है। हमारी टीमें लगातार काम कर रही है।

जनरल राठी ने कोणार्क कोर की कमान संभाली

जोधपुर, (कासं)। लेफ्टिनेंट जनरल एवीएस राठी ने कोणार्क कोर के 28वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा से कार्यभार ग्रहण किया। लेफ्टिनेंट जनरल एवीएस राठी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने अपने 34 साल के सेवा करियर के दौरान प्रतिष्ठित कमांड और स्टाफ नियुक्तियां संभाली हैं। कोणार्क कोर की कमान संभालने के अवसर पर उन्होंने जोधपुर युद्ध स्मारक पर अपने कर्तव्य के दौरान वीरता दिखाने वाले वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा सभी रैंकों से पेशेवर उत्कृष्टता की दिशा में काम करते रहने का आव्हान किया।

बड़ी तालब में डूबे युवक की शिनाख्त हुई

उदयपुर, (निसं)। गत दिनों बड़ी तालाब में मिले अज्ञात युवक की शिनाख्त होने पर भाई ने मृतक के साथियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दज करवाया है।

प्रकरण के अनुसार 14 जून को बड़गांव थाना क्षेत्र बड़ी तालाब में अज्ञात युवक का शव मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सिविल डिफेंस की टीम को बुलवा कर बाहर निकाल एमबी चिक्तिसालय मोर्चरी में रखवाया। इस मामले में 16 जून को गणेश मीणा पुत्र जालमसिंह निवासी भवरा फला धनकावाड़ा सलूम्बर सेमारी ने मृतक की अपने भाई शिवशंकर उर्फ शिवलाल (29)के रूप में शिनाख्त कर उसके साथी मुकेश, धर्मेश, ठेकेदार कांतिलाल के खिलाफ भाई को तालाब में डूबोकर उसकी हत्या करने का आरोपी लगाते हुए प्रकरण दर्ज करवाया। थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित, एएसआई रणजीतसिंह राठौड़ मय टीम ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक अनुसंधान में पता चला कि शिवशंकर व आरोपी साथ में रहते हुए उदयपुर में मजदूरी करते थे एवं 28 मई को सभी गांव से शहर आए थे एवं बड़ी तालाब पर साथ में गए थे। जहां से रवाना होने पर शिवशंकर थोड़ी देर बाद आने की बात कहते हुए वहीं रूक गया था। इस मामले में पुलिस जांच थानाधिकारी पूरणसिंह कर रहे हैं।

बोर्ड रिजल्ट खराब रहने पर स्कूल टीचर्स और लेक्चरर पर कार्रवाई होगी

- शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्कूल के टीचर्स और लेक्चरर से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के रिजल्ट की रिपोर्ट मांगी

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी सरकारी सैकंडरी और सीनियर सैकंडरी स्कूल के टीचर्स और लेक्चरर से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के रिजल्ट की रिपोर्ट मांगी है, अगर रिजल्ट खराब रहा तो संबंधित टीचर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं अगर रिजल्ट अच्छा रहा है तो इस बार प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पाबंद किया है कि अपने क्षेत्र के सभी सरकारी स्कूलों का रिजल्ट शाला दर्पण पोर्टल पर अपलोड कराएं। छह जून तक ये रिजल्ट अपलोड करना था लेकिन नहीं हुआ। इसे गंभीरता से लेते हुए अब 17 जून तक ही रिजल्ट अपलोड करने के आदेश दिए गए हैं। अगर कोई टीचर अपना रिजल्ट गलत अपलोड करता है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी। रिजल्ट के आधार पर शिक्षा विभाग संबंधित टीचर्स पर कार्रवाई भी करेगा। जिन प्रिंसिपल, टीचर व लेक्चरर का रिजल्ट ज्यादा खराब होगा, उनका तबादला भी किया जा सकता है। इसके साथ ही कम रिजल्ट पर टीचर्स को 17 सीसीए के तहत नोटिस देकर शिक्षा निदेशालय तलब किया जाएगा। हर बार की तरह इस बार भी बोर्ड का रिजल्ट बेहतर रहा है, लेकिन इसके बाद भी सैकड़ों टीचर्स को इस बार भी नोटिस मिल सकता है। वहीं इस बार उन टीचर्स को सम्मानित किया जाएगा, जिनका रिजल्ट पिछले तीन साल से बेहतर है। ऐसे टीचर्स को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। ये प्रशस्ति उसके रिकार्ड में दर्ज होगी, ताकि भविष्य में उसे लाभ मिल सके।

गोगुंदा क्षेत्र में तेंदुए का मूवमेंट दिखा

उदयपुर, (कासं)। जिले के गोगुंदा क्षेत्र में एक बार फिर तेंदुए का मूवमेंट देखा गया। सोमवार देर रात नांदेशमा के कड़ेचावास गांव की मुख्य सड़क पर एक तेंदुआ झाड़ियों से निकल रोड पर आया और करीब तीन सौ मीटर तक सड़क पर टहलता आगे बढ़ता रहा।

क्षेत्रवासी कमलेश पालीवाल ने इस दृश्य को अपनी कार से मोबाइल में शूट कर लिया। मोबाइल में कैद हुआ तेंदुआ सड़क पर कुछ देर टहलने के बाद झाड़ियों के अंदर घुस जाता है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि इलाके में नियमित तेंदुए का मूवमेंट होता होगा। विशेषज्ञों की मानें तो तेंदुआ आमतौर पर इंसानों पर हमला नहीं करता, जब तक उसे उकसाया नही जाए।

आर.ए.एस. मुख्य परीक्षा : 83 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही

प्रथम दिन सामान्य ज्ञान-प्रथम व द्वितीय की परीक्षा हुई

- आयोग अध्यक्ष साहू ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आरएएस मुख्य परीक्षा-2024 के तहत मंगलवार को सुबह 9 से 12 बजे तक प्रश्न पत्र सामान्य ज्ञान-प्रथम तथा दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक प्रश्न पत्र सामान्य ज्ञान-द्वितीय की परीक्षा का आयोजन किया गया।

परीक्षा के लिए कुल 21 हजार 541 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। इनमें से 9128 अभ्यर्थियों की परीक्षा का आयोजन अजमेर स्थित परीक्षा केंद्रों पर तथा 12413 अभ्यर्थियों की परीक्षा का आयोजन जयपुर स्थित परीक्षा केंद्रों किया गया। परीक्षा दौरान अभ्यर्थियों की औसत कुल उपस्थिति 83 प्रतिशत से अधिक रही। बुधवार सुबह 9 से 12 बजे तक प्रश्न पत्र सामान्य ज्ञान-तृतीय तथा दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक प्रश्न पत्र सामान्य ज्ञान -चतुर्थ की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान लोक सेवा आयोग अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू, सचिव राम निवास मेहता एवं मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने मंगलवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा एवं परीक्षा संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्रों पर चाक-चौबंद सुरक्षा एवं परीक्षार्थियों के लिए माकूल व्यवस्थाएं पाई गई। इस दौरान उन्होंने संबंधित कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

नवजात की मौत

नोखा, (निसं)। यहां मंगलवार को दो युवक जलदाय विभाग की पानी की टंकी पर चढ़ गए। यह घटना भाटों के बास क्षेत्र में हुई। टंकी पर चढ़े युवकों में महावीर भार्गव और रामलाल शामिल हैं। मामला नोखा के जिला अस्पताल से जुड़ा है। यहां एक प्रसूता को इंजेक्शन लगाकर पीबीएम रैफर किया गया था। परिजनों का आरोप है कि रेफर के दौरान लापरवाही के कारण नवजात की मौत हो गई। पीड़ित परिवार ने पिछले सप्ताह से धरना शुरू किया था। उनकी मांग है कि अस्पताल में तैनात नर्सिंग कर्मचारियों पर मामला दर्ज किया जाए और मुआवजा दिया जाए। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना समाप्त करवाया था। टंकी पर चढ़े युवकों का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, वे नीचे नहीं उतरेंगे।

नकाबपोश बदमाश ने जेवर व नकदी लूटी

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास हाइवे पर नकाबपोश बदमाश पीड़ित व साथी को तलवार दिखा धमकाते हुए जेवर व नकदी लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित अमरेन्द्रसिंह भदोरिया पुत्र शिवनंदन सिंह निवासी शिवसागर टेनामेंट सेन्ट मेरी स्कूल के पास नवा नरोड़ा अहमदाबाद ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 3 जून को हाइवे होते हुए साथियों के साथ अहमदाबाद जा रहा था। जहां बीच रास्ते बारापाल पुलिया के पास कार रोक लघुशंका करने रूका था। इसी दौरान बाइक पर आए नकाबपोश बदमाशों ने तलवार गर्दन पर रख धमकाते हुए गले से सोने की चेन व साथी रिकुसिंह के कब्जे से 23 हजार रूपये नकदी लूट ले गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच एएसआई प्रदीक कुमार कर रहे हैं।

एक साथ उठी चार अर्थियां, ढाबर में अंतिम संस्कार हुआ

पाली, (नि.सं.)। पाली के निकट स्थित ढाबर गांव में एक साथ चार अर्थियां उठीं, जिससे पूरा गांव गमगीन हो उठा। मंगलवार सुबह जब भरत, मदन, राकेश और विनोद की अर्थी गांव में एक साथ निकली तो हर आंख नम नजर आई। चारों युवकों अंतिम यात्रा में पूरा गांव उमड़ गया। डाबर गांव के चार युवाओं की एक साथ हुए अकाल मौत से पूरे गांव में सन्नाटा छाया हुआ है। वहीं इन चारों मृतकों के घरों में परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और उनकी आंखों से निकल रहे आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। जिसके चलते ग्रामीण इन्हें सांत्वना देने में लगे हैं। मंगलवार सुबह जब इन चारों युवकों का एक साथ गांव के श्मशान में अंतिम संस्कार किया गया तो पूरा गांव यहां मौजूद रहा और हर कोई गमजदा दिखा।

गौरतलब है कि पाली जिले के रोहट तहसील के ढाबर गांव के मूल निवासी पेमाराम राठौड़ करीब डेढ़ दशक से हैदराबाद के चिंतल दिलखुश नगर में रह रहे हैं।

जहां उनका राधा कृष्ण ट्रेडर्स के नाम से व्यवसाय है। 15 जून को सोनादेवी अपने तीन बेटे मदन, भरत, राकेश और बहन के लड़के विनोद और पड़ोसियों के साथ तेलंगाना के बसारा सरस्वती पूजन के लिए गए थे। जहां नदी में डूबने से मदन, भरत, राकेश, विनोद और रितिक की मौत हो गई थी। पेमाराम के तीनों बेटे डॉक्टर बनना चाहते थे और पढ़ाई में होशियार थे। बड़े-बड़े राकेश ने हाल ही में नेट क्वालीफाई की है, जबकि छोटे बेटे भरत राठौड़ ने जिले में दसवीं बोर्ड परीक्षा में टॉप किया था मदन राठौड़ 12वीं में पढ़ता था। तीनों सगे भाई और चौथा मौसेरा भाई भी डॉक्टर बनना चाहता था।

सट्टा एप पर दाव लगाने वाला गिरोह पकड़ा

- पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। सट्टा एप पर दांव लगाने वाले लोगों से लाखों रुपए जमा करवाकर गैर कानूनी तौर पर ट्रांजेक्शन करने के आरोप में सदर पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में जानकारी सामने आई है कि मूलतया उत्तर प्रदेश और झारखंड के रहने वाले आरोपी जॉन माइकल नाम के सरगना के निर्देशों पर पूरा नेटवर्क चला रहे थे। आरोपियों की पहचान सुधाकर तिवाड़ी (28) पुत्र व्यास तिवाड़ी निवासी आकोपुर, सिवान (बिहार), कुन्दन सिंह (28) पुत्र बलिन्द्र सिंह निवासी बदली, सिवान (बिहार), ओम चौधरी (22) पुत्र मनोज चौधरी निवासी भंडारी, गिरडीह (झारखंड), पुष्पक (25) पुत्र जनार्दन मौर्य निवासी सिपाह इब्राहिमाबाद, मऊ (उत्तरप्रदेश), इन्द्रजीत कुश्वाह (25) पुत्र भभूति कुश्वाह निवासी बेलबा बाबूराम, कुशीनगर (उत्तरप्रदेश), अवनीश कुमार (25) पुत्र विनोद प्रसाद निवासी रामपुर कोरीवारी, देवरिया (उत्तरप्रदेश), रणधीर कुमार (40) पुत्र रामचंद्र मेहथा निवासी सांख, निरडीह (झारखंड), जावेद अंसारी (24) पुत्र अलाउदीन निवासी खोरीबारी झटनी, देवरिया (उत्तरप्रदेश) व अभिषेक विश्वकर्मा (24) पुत्र राजेश विश्वकर्मा निवासी विश्नपुरा बाजार, देवरिया (उत्तरप्रदेश) के तौर पर हुई है। आरोपियों के पास चार डेस्कटॉप, 31 मोबाइल फोन, हिसाब-किताब के 4 रजिस्टर, 3 लैपटॉप, 11 वॉकी-टॉकी वायरलेस सेट, 8 चार्जर, 4 वाईफाई फाइबर इंस्ट्रूमेंट और दो स्वाइप मशीनें बरामद हुई हैं। यह पूरा नेटवर्क रिद्धि-सिद्धि थर्ड में एक मकान से संचालित हो रहा था।

तंत्र-मंत्र के नाम पर किसान की हत्या, दामाद गिरफ्तार

पुलिस को परिवार के सदस्यों पर शक, बेटे की गाड़ी में 40 लाख रुपए मिले थे

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला में तंत्र-मंत्र के नाम पर हत्या 50 लाख लूट के मामले में पीड़िता का परिवार ही शक के घेरे में है। किसान की हत्या के बाद उसके दामाद को गिरफ्तार किया गया है। मृतक के बेटे सलमान की कार से से 40 लाख रुपए भी बरामद किए गए थे। पुलिस को शक है कि सबूतों से भी छेड़छाड़ की गई है।

मामले में खाजूवाला निवासी गफ्फार और तांत्रिक के साथी शैतान सिंह और विक्रम सिंह की हत्या हुई थी। एएसपी ग्रामीण कैलाश सिंह सांदू सोमवार दोपहर बाद खाजूवाला आए थे। इसके बाद मृतक गफ्फार के दामाद मुश्ताक (25) पुत्र अब्दुल रहमान, निवासी बेरियांवाली को गिरफ्तार किया है। फरार आरोपी को भगाने में भी उसकी भूमिका संदिग्ध है। आरोपी दामाद ने जिन दो मोबाइल को छिपाया था, उसमें केस से संबंधित महत्वपूर्ण कागज भी थे। घटना के बाद आरोपी पुलिस के आगे-पीछे घूमता रहा लेकिन उसने जानकारी नहीं दी।

जानकारी के अनुसार गफ्फार पर बड़ा कर्ज हो गया था। उसने हाल में अपनी खेती की जमीन भी महज 35 लाख रुपए में बेच दी थी। इसके बाद भी उस पर कर्ज था। ऐसे में कर्ज से बचने के लिए रुपए कई गुना करने का मामला सामने आ रहा है। उसने रुपए का जुगाड़ तो किया, लेकिन पूरे प्रपंच में वो खुद शिकार हो गया। प्रसाद की ज्यादा डोज खाने से उसकी मौत हो गई। अब पुलिस ये पता लगा रही है कि कर्नाटक निवासी जिस एम. शिवा पर तांत्रिक क्रिया करने और लूट करने का आरोप है, वो सच में है या फिर काल्पनिक पात्र बनाया गया है। घटना में रामस्वरूप और मनोज नामक दो शख्स पुलिस हिरासत में है। अस्पताल में इलाज होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और पूछताछ की जाएगी। इन दोनों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है।

उस दौर ने मुझे वास्तव में प्रेरित किया। मैं सुंदर चेन्नई में साथ खेलने के हमारे युवा दिनों से जानता हूं। इससे मुझे लगा कि मैं भी उनके जैसा ही रास्ता अपना सकता हूं। भगवान उनका भला करे।
- साई सुदर्शन

भारतीय बल्लेबाज, वाशिंगटन सुंदर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने पत्र लिखकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ पर की गई रिंग पेशेवर टिप्पणियों के लिए मंगलवार को माफी मांग ली। गॉफ ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका को इस महीने की शुरुआत में फ्रेंच ओपन के फाइनल में 6-7 (5-7) 6-2 6-4 हराया था। मैच के बाद सबालेंका ने कहा था कि यह मेरा फाइनल मैच में सबसे खराब प्रदर्शन रहा और मेरी गलतियों के कारण गॉफ ने खिताब जीता। सबालेंका ने आज कहा कि उन्हें अपनी टिप्पणियों पर खेद है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज जीती थी।

क्रिकेट जगत के लोगों ने इस ट्रॉफी का नाम बदलने की आलोचना की थी

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के विजेता कप्तान को मिलेगा पटौदी पदक

नई दिल्ली, 17 जून। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की सीरीज के विजेता कप्तान को पटौदी पदक से सम्मानित किया जायेगा जिससे इन दोनों देशों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता में इस शाही परिवार का नाम बना रहेगा। पटौदी परिवार का दोनों देशों की क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इससे पहले पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी करने का फैसला लिया था। पिछले हफ्ते लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान इसकी औपचारिक घोषणा होनी थी लेकिन अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान के भीषण हादसे के मद्देनजर इसे टाल दिया गया।

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के साथ क्रिकेट जगत के कुछ अन्य लोगों ने भी इस ट्रॉफी का नाम बदलने की आलोचना की थी। पता चला है कि तेंदुलकर ने खुद

ईसीबी से संपर्क किया और कहा कि पटौदी नाम भारत-इंग्लैंड क्रिकेट का हिस्सा बना रहना चाहिए। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह की भी इसमें भूमिका रही। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, "ईसीबी ने जब इस ट्रॉफी का नाम बदलने का फैसला किया तब तेंदुलकर ने उनसे संपर्क किया और कहा कि पटौदी नाम भारत-इंग्लैंड प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा बना रहना चाहिए। जय शाह भी इस चर्चा में शामिल थे। ईसीबी ने अनुरोध पर सहमति जताते हुए विजेता कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया है।"

पहले से तय कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो सका ऐसे में ट्रॉफी का नाम बदलने की औपचारिक घोषणा लीड्स में सीरीज के शुरुआती मैच से एक दिन पहले 19 जून को की जाएगी। तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज है। पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता है। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की और दोनों ने इंग्लैंड में लंबे समय तक काउंटी क्रिकेट खेला है।

जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट कप्तान नहीं बनने पर तोड़ी चुप्पी

लंदन, 17 जून। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आखिरकार भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान नहीं बनने पर चुप्पी तोड़ी है। इस दौरान बुमराह ने कहा कि उन्होंने वर्कलोड को देखते हुए इंग्लैंड दौरे पर कमान संभालने का ऑफर ठुकरा दिया था। जिसके बाद उनके इनकार के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को नया कप्तान नियुक्त किया। बुमराह ने 20 जून से इंग्लैंड में शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले कप्तानी नहीं करने के फैसले के बारे में खुलकर बात की है।

31 वर्षीय बुमराह ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा कि, रोहित और विराट के आईपीएल के दौरान रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अपने वर्कलोड के बारे में बात की थी। मैंने उन लोगों से बात की, जिन्होंने मेरी पीठ का इलाज किया। मैंने सर्जन से भी बात की जिन्होंने हमेशा मुझसे कहा कि आपको कार्यभार के बारे में स्मार्ट होना चाहिए। इसलिए, मैंने उनसे बात की और फिर हम इस नतीजे पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा सतर्क होना चाहिए। इसलिए, मैंने उनसे बात की और फिर हम इस नतीजे पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा सतर्क रहना होगा। इसलिए मैंने बीसीसीआई से कहा कि मैं लीडरशिप रोल में नहीं आना चाहता क्योंकि मैं पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में सभी मुकाबले नहीं खेल पाऊंगा।

बुमराह ने आगे कहा कि, हां बीसीसीआई कप्तानी के लिए मेरी ओर देख रहा था। लेकिन फिर मुझे कहना पड़ा कि नहीं ये टीम के लिए भी उचित नहीं है। पांच टेस्ट की सीरीज में तीन मैचों में कप्तानी कोई और करे और दो मैचों में कमान कोई और संभाले, ऐसा टीम के लिए उचित नहीं है। मैं हमेशा से टीम को पहले रखता हूं बता दें कि बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांचवें टेस्ट में चोटिल हो गए थे। वह पीठ की चोट के कारण आईसीसी चैंपियन ट्रॉफी में नहीं खेल सके थे।

मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर से शीर्ष पर

दुबई, 17 जून। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में छह साल बाद फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मंधाना को श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के साथ त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत यह उपलब्धि हासिल हुई। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2019 में यह मुकाम हासिल किया था। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार मंधाना ने 727 रेटिंग अंक के साथ दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट का पछाड़ते हुए नंबर वन का ताज अपने नाम किया है। इंग्लैंड की नई कप्तान नैट सायवर-ब्रंट और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट 719 अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं।

कार्यालय नगर पालिका सीसवाली जिला बाराँ (राज.)

क्रमांकः– 468–70 दिनांकः– 13.06.2025

ई निविदा सूचना वर्ष 2025–26
NIB CODE : - DLB2526A2533

नगर पालिका सीसवाली द्वारा सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से 1 कार्य की मोहरबन्द Online निविदा (तकनीकी) व वित्तिय दो लिफाफा पद्धति) आमंत्रित की जाती है। निविदा व्दसपदम दिनांक 13.06.2025 से 25.06.2025 तक प्राप्त कर दिनांक 26.06.2025 को खोली जावेगी। निविदा संबंधी विवरण का अवलोकन नगर पालिका सीसवाली कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखा जा सकता है।

कार्य का विवरण www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता है एवं कार्य Online निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्राप्त की जावेगी।

Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB08010

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सीसवाली
राज.संवाद/सी/25/4393

हरभजन, युवराज और रैना की बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली, 17 जून। प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म की जांच का दायरा बढ़ाते हुए पूर्व क्रिकेटर और फिल्मी हस्तियों द्वारा किए जाने वाले विज्ञापनों पर ध्यान केंद्रित किया है। ईडी ने प्रतिबंधित सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के साथ प्रमोशनल लिंक की चल रही जांच के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेटरों हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना के साथ-साथ अभिनेता सोनू सूद और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला से पूछताछ की हैरिपोर्ट में बताया गया है कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ये एंडोर्समेंट से कई भारतीय कानूनों का उल्लंघन कर सकते हैं। इनमें इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, प्रिवेंशन ऑफ मन लॉड्रिंग एक्ट और बेनामी ट्रांजेक्शन एक्ट के साथ-साथ ही मिनिस्ट्री ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग और मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी द्वारा जारी किए गए परामर्श शामिल हैं।

एमी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 17 जून। अंडर-16 अरावली कप में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 254 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं। शिफान खान ने 79 गेंदों में 15 छक्के और 11 चौके की मदद से 163 रन का सर्वाधिक योगदान दिया। एमी क्रिकेट अकादमी की ओर से कृष यादव ने 4 और अंशुमान सिंह ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते उतरी एमी क्रिकेट अकादमी ने 34 ओवर में 256 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। तविश शर्मा ने 97, यथार्थ भारद्वाज ने 75 नाबाद और आदित्य बाधवा ने 66 रनों का योगदान दिया। राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी की ओर से गगन सोनी और पुनीत यादव ने एक- एक विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच कृष यादव को चुना गया।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी भारत के लिए हर तरह से फायदेमंद होगी : रक्षा खडसे

नई दिल्ली, 17 जून। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी महज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेश देने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और देश के युवाओं को प्रभावित करने वाले सामाजिक मुद्दों से निपटने की एक सुविचारित योजना भी है। उन्होंने यहां अपने कार्यालय में बातचीत में कहा, "ओलंपिक 2036 यात्रा/मंडल खेल 2030 जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी की तैयारी का मतलब है विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, आर्थिक निवेश और एक ऐसी प्रणाली को तैयार करना है जिसका फायदा सीधे खिलाड़ियों को मिलेगा।" खडसे ने कहा, "खेल अवसाद और यहां तक कि नशीली दवाओं की लत जैसी कई समस्याओं से निपटने का एक तरीका है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए जब आप ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करते हैं तो यह समाज के लिए प्रेरक शक्ति का काम करते हैं।" खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी अगले महीने गति पकड़ लेगी।

नीदरलैंड्स की टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला में नेपाल पर ऐतिहासिक जीत

ग्लासगो, 17 जून। नीदरलैंड्स ने टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला के दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ टाई होने के बाद तीसरे सुपर ओवर में जीत दर्ज की है। ग्लासगो में सोमवार रात खेले गये मुकाबले में नेपाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी नीदरलैंड्स के लिए एन अनिल तेजा (35), विक्रमजीत सिंह (30), माइकल लेविट (20), मैक्स ओडाउड (19) और साकिब जुल्फिकार (नाबाद 25) की शानदार पारियों के दम पर निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 152 रनों का स्कोर खड़ा किया। नेपाल की ओर से संदीप लामिछाने ने तीन और नंदन यादव ने दो विकेट लिये। ललित राजबंशी और कुशल भुर्तेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। इसके बाद कुशल भुर्तेल के साथ कप्तान रोहित पॉडेल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में कुशल भुर्तेल 23 गेंदों में (34) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उन्हें डोरम ने आउट किया। इसके बाद डोरम ने ऐरी और किरण थगुना को भी पवेलियन भेज दिया।

नजमुल, मुशफिकुर के शतक ने बांग्लादेश को संभाला

गाले (श्रीलंका), 17 जून। कप्तान नजमुल शांतो (नाबाद 136) और मुशफिकुर रहीम (नाबाद 105) की शतकीय पारियों की मदद से बंगलादेश ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 292 रन बना मैच पर अपनी पकड़ बना ली है। आज यहां बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले टेस्ट मैच में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। असिता फर्नांडो ने अनामुल हक (शून्य) को आउट कर बंगलादेश को पहला झटका दिया। थरिंदु रत्नायके ने अपने पदार्पण टेस्ट में शादमान इस्लाम (14) को आउटकर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद रत्नायके ने मोमिनुल हक (29) को भी आउटकर बंगलादेश के लिए संकट खड़ा कर दिया। ऐसी संकट की घड़ी में कप्तान नजमुल शांतो और मुशफिकुर रहीम की जोड़ी ने बंगलादेश की पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट लिए 247 रनों की अविजित साझेदारी हुई।

गिल की कप्तानी में कोहली और रोहित की विशेषताएं : बटलर

लंदन, 17 जून। इंग्लैंड की सीमित ओवर टीम के पूर्व कप्तान जॉस बटलर ने कहा कि भारतीय टेस्ट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में विराट कोहली और रोहित शर्मा की विशेषताएं हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में शुभमन गिल की कप्तान में खेल चुके बटलर कहा कि गिल की कप्तानी में विराट कोहली की तरह आक्रामक और रोहित शर्मा की तरह शांत नेतृत्व का मिश्रण है। उन्होंने कहा कि गिल अपने दो पूर्व कप्तानों की सर्वश्रेष्ठ विशेषताओं के साथ अपने तरीके से टीम की अगुवाई करेंगे।

सोफी एकदिवसीय क्रिकेट से लेगी संन्यास

वेलिंग्टन, 17 जून। न्यूजीलैंड महिला टीम की कप्तान सोफी डिवाइन इस वर्ष के आखिर में भारत और श्रीलंका में होने वाले एकदिवसीय महिला विश्वकप के बाद क्रिकेट के इस प्रारूप से संन्यास लेंगी। डिवाइन न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ अनौपचारिक खेल समझौते के तहत टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगी। डिवाइन ने न्यूजीलैंड की 17 महिला खिलाड़ियों की अनुबंध सूची आने से एक दिन पहले एकदिवसीय मैच से संन्यास लेने की घोषणा की है। वह केंद्रीय अनुबंधित समूह का हिस्सा नहीं होंगी। डिवाइन विश्वकप में टीम की कप्तानी करेंगी।

कार्यालय जिला परिषद जयपुर

कमांकः– एफ( )/स्टोर/निविदा/2025–26/667–68 दिनांकः– 16.06.2025

02 दुकानें किराये पर देने हेतु
खुली बोली सूचना वर्ष– 2025–26

जयपुर शहर के मध्य बनीपार्क सर्किल कलेक्ट्रेट के पास जयसिंह हाईवे मेन रोड पर इस कार्यालय परिसर के बाहर निर्मित 02 व्यवसायिक दुकान (साईज 10X10) जिन्हे राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियम 164 के अनुसार 3 वर्ष के लिए किराये पर देनी है। जिसकी अवधि में निविदा शर्तो के अनुसार वृद्धि की जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति/फर्मो से दुकाने निविदा की शर्तो के अनुरूप किराये पर लेने हेतु संलग्न प्रारूप में सीलबंद लिफाफो में भरकर प्रस्ताव दिनांक 26.06.2025 को सांय 3.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त दस्तावेजो को उसी दिन सायं 04.00 बजे पर खोले जायेगें। उच्चतम दर के प्रस्ताव को समिति द्वारा नियमानुसार स्वीकृत किया जावेगा।

कस	निविदा कार्य	निविदा फार्म शुल्क प्रति दुकान	आरक्षित किराया दर प्रति दुकान प्रति माह	खुली बोली खोलने की दिनांक/समय
1	2 दुकान किराये पर देने हेतु साईज (10x10)	500/–	15000.00	दिनांक 26.06.2025 को सांय 4.00 बजे

निविदाओ का विस्तृत विवरण राजस्थान सरकार की वेबसाईट http://sppp.jaj.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB code:- ZJP2526A0569 UBN is:- ZJP2526SSRC01004

राज.संवाद/सी/25/4459 अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल–कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :– ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/328–342 दिनांक :–16.06.2025

ई–निविदा सूचना संख्या : 18/2025–26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों सेनिम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 789.92 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 20.06.2025 से दिनांक 11.07.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 43 छावनी स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	20.27
2	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 63 केशवपुरा स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	98.47
3	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 10 जगपुरा के मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	118.18
4	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 06 टैगोर नगर में स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	123.00
5	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 38 विज्ञान नगर स्थित मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	132.00
6	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 09 रानपुर में स्थित तीन मुक्तिधामो में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	149.00
7	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 35 अनन्तपुरा के मुक्तिधाम में आवश्यक मरम्मत/निर्माण व सौन्दर्यकरण का कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	149.00

NIB Code No.DLB2526A2559 UBN No.DLB2526WSOB08121
UBN No.DLB2526WSOB08115 UBN No.DLB2526WSOB08116
UBN No.DLB2526WSOB08117 UBN No.DLB2526WSOB08118
UBN No.DLB2526WSOB08119 UBN No.DLB2526WSOB08120

अधीक्षण अभियन्ता
नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/4442

34वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशु प्रतियोगिता में राजस्थान के आनंद ने नंनदाउ में जीता रजत पदक

जयपुर, 17 जून। भारतीय वुशु संघ व राजस्थान वुशु संघ के तत्वावधान मे दिनांक 14 से 19 जून तक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी मे आयोजित हो रही 34वीं सीनियर राष्ट्रीय (पुरुष/महिला) वुशु प्रतियोगिता में आज राजस्थान के आनंद सैनी ने नंनदाउ में रजत पदक जीता। आज के समारोह के मुख्य अतिथि कॉमडोर वरूण सिंह (शौर्य चक्र से सम्मानित), सचिव सर्विसेस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, सीताराम मीणा, समाज सेवी, सत्यम स्वामी, (योग में वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर), सुमेर गुर्जर मैनेजर, एमसीजी ग्रुप, सुरेश अवाना गोपालन रत्न अवार्डी एवं शिव कुमार सरपंच रहे। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वूशु संघ ने सभी अतिथियों का साफा पहनाकर व बुके, स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत अभिनन्दन किया।

राजेश कुमार टेलर ने बताया कि पुरूष वर्ग में प्री क्वाटर मुकाबलों में राजस्थान के 65 किलोग्राम भारवर्ग में

आयुष (राजस्थान) ने बैंजिम (मिजोरम) को 2–0 से हराया, 75 किलो भारवर्ग में अमन (राजस्थान) ने अनुभव (असम राइफल) को 2–0 से हराया, 85 किलो भारवर्ग में राकेश (राजस्थान) ने मो. नाजीद (केरला) को 2–1 से हराया एवं राजस्थान महिला वर्ग में क्वाटर फाईनल मुकाबलों मे 48 किलो में मेघा जोशी (राजस्थान) ने निधि (एसएसबी) को 2–0 से हराया।

मो. रजा ने दक्षिण एशियन यूथ बास्केटबॉल चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

जैसलमेर, 17 जून। फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल बास्केटबॉल एसोसियेशन द्वारा 12 से 15 जून तक मालदीव में अंडर 16 साउथ एशियन यूथ बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता में फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 93–62 से पराजित कर स्वर्ण पदक देश के नाम किया। इस प्रतियोगिता में जैसलमेर

बास्केटबॉल अकादमी के खिलाड़ी मोहम्मद रज़ा ने सर्वाधिक 86 अंक अर्जित कर भारतीय टीम के टॉप स्कोरर रहे साथ ही श्रीलंका के सामने 38 अंक बनाकर देश को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व कलेक्टर गिरिराजसिंह कुशवाह द्वारा खिलाड़ी मोहम्मद रज़ा के उज्ज्वलभविष्य की कामना की गई। ज्ञात रहे कि पूर्व में कलेक्टर रहे गिरिराजसिंह कुशवाह द्वारा अपने कार्यकाल में जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी शुरु करवायी गई, उसी अकादमी में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तरासे जा रहे है,अनेक खिलाड़ियों की सरकारी नौकरी लग जाने से उनके परिवार का जीवन स्तर बदल गया है।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर

क्रमांक :- ठेका /2025-26/164-173 दिनांक :- 13/06/2025

खुली बोली निविदा सूचना
NIB CODE-DAM2526A0189

इस कार्यालय द्वारा मण्डी यार्डो में निर्मित सभी क्योस्को एवं किसान भवन कैन्टीन व गौण मण्डी यार्ड पुष्कर कैन्टीन का दिनांक 01.07.2025 से 31.03.2026 तक के लिये संचालन, कार्य खुली बोली से कराया जाना है। इच्छुक/अनुभवी व्यक्ति एवं फर्मो से निम्न विवरणानुसार खुली निलामी बोली द्वारा ठेका पर दिया जाना है। विस्तृत जानकारी एंव शर्ते कार्यालय मे किसी भी कार्य दिवस (समयः–12 बजे से 1 बजे) तक देखी जा सकती है।

क्र. सं.	मण्डी यार्ड	कियोस्क संख्या	निविदा प्रपत्र शुल्क रु.	अनु. प्रारंभिक बोली प्रतिमाह	धरोहर राशि	खुली निलामी बोली की दिनांक व समय	निविदा प्रपत्र विक्रय करने की दिनांक	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अन्तिम दिनांक व समय
1	मुख्य मण्डी अजमेर	कियोस्क संख्या एक	200+18% = 236	64938	11690	25.06.2025 (12:00 PM)	13.06.2025	25.06.2025 (11:00 AM)
2.	किसान भवन अजमेर	कैन्टीन	200+18% = 236	5000	900			
3	गौण मण्डी यार्ड पुष्कर	कियोस्क	200+18% = 236	8400	1520			

राज.संवाद/सी/25/4430 सचिव प्रशासक

खेल प्रशिक्षण शिविर में सीखी बारीकियों को करें आत्मसात : डॉ. नीरज कुमार पवन

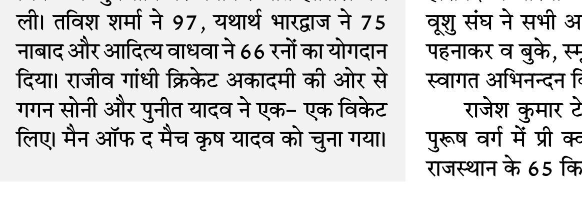

जयपुर, 17 जून। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के द्वारा संचालित 65 वें केन्द्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार को इंडोर हॉल सवाई मानसिंह स्टेडियम में समारोह पूर्वक किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार एवं अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल प्रशिक्षण शिविर के दौरान अनुभवी दक्ष प्रशिक्षकों एवं अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के द्वारा सिखाई गई खेल की बारीकियों को आत्मसात करते हुए खेल के स्तर को सुधारना चाहिए। शिविर के दौरान खट्टे - मीठे अनुभव जीवन को जीने की नई सीख देते है।

डॉ. पवन ने कहा कि इस बार नवाचार करते हुए प्रतिभागी खिलाड़ियों को पहली बार वातानुकूलित होटलों में ठहराने की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा प्रत्येक शुक्रवार को शारीरिक थकान दूर करने के लिए मनोरंजनात्मक खेल, फिल्म व सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्रदान किया गया है।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मांग को देखते हुए आबू पर्वत में लगने वाले प्रशिक्षण शिविर में आगामी वर्ष से खेल व खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाये जाने पर सकारात्मक रूख अपनाया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर मीणा, वित्तीय सलाहकार ने की। विशिष्ट अतिथि मुख्य शिविर निदेशक मुख्य खेल अधिकारी विरेन्द्र पूनिया थे। शिविर निदेशक खेल प्रबन्धक रण विजय सिंह ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शिविर के दौरान 21 दिवसीय गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया।

समारोह के दौरान खिलाड़ियों के द्वारा वुशु, जिमनास्टिक, कुश्ती व जूडो खेल का प्रदर्शन करते हुए मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रदान की गई। इस मौके पर सहायक शिविर निदेशक भरतराम गुर्जर, मनीष वर्मा, खेल प्रबन्धक नरेन्द्र भूरिया, अनिरूद्ध जगधारी, नियमित एवं अल्पकालीन प्रशिक्षक मौजूद थे। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ बालक व बालिका खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। जो इस प्रकार है:- **भारोत्तोलन** - राजवीर, आरती, जिम्नास्टिक - नेत्रव शर्मा, सलोनी, हॉकी - आर्यन पुरोहित, ताहिर, खो-खो - जयदीप सिंह, टीना, फुटबाल - आयुष कुमार, अन्विका सिंह, जूडो - चेतन सिंह, लावण्या सिंह, साईक्लिंग - शिवरतन, कुश्ती - शुभम, कोमल, टेबल-टेनिस -नैतिकवीर यादव, अधिश्री, बैडमिंटन - केशव मित्तल, कृतिका सिंह, कबड्डी - जितेन्द्र, रीनू, वूशू - रूद्राक्ष अमेरिया, खुशी, क्रिकेट - सुमित सारन व वंदना गहलोतछल

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 742 Date :- 13/06/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 14/2025-26

Bids for Gabian stracture work Project PMKSY 2.0 Block – Mandrail of estimated value INR 224.17 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 23-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state, departmental website.

NIB CODE :- WSC2526A0304
UBN NO. :- WSC2526WSRC00504

Raj.Samwad/C/25/4387 Superintending Engineer and Project Manager

कार्यालय नगर परिषद्, लालसोट

क्रमांकः– न.प.ला./25/1390 दिनांकः– 13.06.2025

निविदा सूचना – NIB-06/2025-26

नगरपरिषद लालसोट द्वारा संवेदकों/संस्थाओं को सूचित किया जाता हैं कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिये विभिन्न कार्यो हेतु मोहरबन्द निविदायें दिनांक 19.06.2025 आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबधित सभी विवरण व शर्ते कार्यालय समय एवं वेबसाईट http:www.sppp.rajasthan.gov.in पर दिनांक 14.06.2025 से देखी जा सकती है।

UBN:- DLB2526WSOB07918, 919, 921, 922

सभापति
नगर परिषद लालसोट

आयुक्त
नगर परिषद लालसोट

राज.संवाद/सी/25/4414

कार्यालय पालिका खेजरोली, जयपुर (राज.)

क्रमांकः न.पा.खेज./2025/23 दिनांकः 09.06.2025

ई–निविदा सूचना संख्या 01/2025–26

नगर पालिका खेजरोली द्वारा निम्नलिखित सम्पूर्ण पालिका क्षेत्र में सफाई कार्य के लिए पंजीकृत संवेदकों से ई–निविदा पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक निविदा वेबसाईट http://proc.rajasthan.gov.in एवं http:/sppp.rajasthan.gov.in से जानकारी प्राप्त कर सकते है। जिसके NIB Code or UBN No. निम्न प्रकार है–

S.R. No.	Nib Code	UBN No.
1	DLB2526A2403	DLB2526SLOB07626

राज.संवाद/सी/25/4405 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका खेजरोली

कार्यालय नगर निगम जोधपुर उत्तर

Nagar Nigam Bhawan, Inside Poltechnic college campus, Residency Road, Jodhpur-342004

क्रमांक :–2069 दिनांक :– 12.06.2025

–:: वाहन पार्किंग ठेका ::–
–:: ई–नीलामी सूचना ::–

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जोधपुर, उत्तर द्वारा निम्न विवरण अनुसार ई–निलामी निम्नानुसार रखी गई है :–
UBN-DLB2526SLOB08012

क्र. स.	विवरण	ई–नीलामी धरोहर राशि	न्यूनतम सरकारी बोली	बोली प्रारम्भ करने की तिथि	बोली लगाने की अंतिम तिथि
01	सतारा प्लाजा के बाहर व डमपिंग स्टेशन वाली रोड जोधपुर	1,50,000/– (एक लाख पचास हजार रूपये)	26,35,000/– (छबीस लाख पैतीस हजार रूपये)	13.06.2025 सुबह 10:00 से	27.06.2025 शाम 6:00 बजे तक

01. नीलामी भागीदारी शुल्क 1000 /– रू प्रति पांर्किग प्रतिभागीदार नॉन रिफण्डेबल।
02. ई–नीलामी अमानत राशि व भागीदारी शुल्क जमा कराने की दिनांक 13.06.2025 प्रातः 10:00 से 27.06.2025 दोपहर 03:00 तक।
03. ई–नीलामी के अंतिम 15 मिनट में बोली आने पर ई–नीलामी समयवधि में प्रत्येक बार स्वत ही 30 मिनट की वृद्वि हो जायेगी।
04. किसी प्रकार की तकनीकी समस्या एंव जानकारी हेतु श्री रफीउदीन प्रोग्रामर मोबाईल नम्बर – 7014268186 एंव श्री अभिषेक गहलोत राजस्व अधिकारी मोबाईल नम्बर – 9251400686 सम्पर्क कर सकते है।

ई–नीलामी की प्रकिया विस्तृत शर्तो एंव पांर्किग कि जानकारी नगर निगम जोधपुर (उत्तर) की वेबसाईट http://www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjn एवं lsgeauction.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर उत्तर
राज.संवाद/सी/25/4421

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) अजमेर

क्रमांक :- ठेका /2025-26/189-198 दिनांक :- 16/06/2025

निविदा सूचना
NIB CODE-DAM2526A0193

इस कार्यालय द्वारा मण्डी यार्डो में Supply, Instalation and commissioning Of Solid Waste Manangement Mobile Unit 250KG par day Capacity with Accessories निम्नानुसार साम्रगी क्रय एवं कार्य किया जाना है। इस प्रकार की साम्रगी/कार्य के अधिकृत विक्रेताओ/पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी एवं शर्ते कार्यालय मे किसी भी कार्य दिवस (समयः–12 बजे से 1 बजे) तक देखी जा सकती है।

क्र. सं.	मण्डी यार्ड	साम्रगी/उपकरण	निविदा प्रपत्र शुल्क रु.	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र विक्रय करने की दिनांक	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अन्तिम दिनांक व समय	निविदा खोलने की दिनांक व समय
1	मुख्य मण्डी अजमेर	Supply, Installation and commissioning of Solid Waste Management Mobile Unit 250 KG par day Capacity with Accessories	500+18% GST =590	10,000	16.06.2025	25.06.2025 (11:00 AM)	25.06.2025 (1:00 PM बजे से लगातार)

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, फल-सब्जी, अजमेर

प्रशासक
कृषि उपज मण्डी समिति, फल-सब्जी, अजमेर

राज.संवाद/सी/25/4449

एयर इंडिया भारी संकट में, सात फ्लाइट्स एक साथ रद्द की गई

शिलांग, 17 जून। एअर इंडिया की परेशानियां मंगलवार को तब और बढ़ गईं, जब तकनीकी और परिचालन कारणों से सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह टाटा समूह के एयरलाइन खरीदने के बाद सबसे गंभीर संकट माना जा रहा है। छह उड़ानें इसलिए रद्द की गईं, क्योंकि डीजीसीए ने ड्रीमलाइनर बेड़े की अतिरिक्त जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, अहमदाबाद से लंदन गैटविक जाने वाली उड़ान विमान

- **एयर इंडिया, जिसका संचालन टाटा ग्रुप के पास है, ने यात्रियों से खेद जताया और वैकल्पिक व्यवस्था का आश्वासन दिया।**

उपलब्ध न होने के कारण रद्द की गई।

एअर इंडिया ने कहा कि अहमदाबाद से लंदन के गेटविक हवाई अड्डे के लिए उसकी उड़ान रद्द कर दी गई है। एयरलाइन की ओर से इसके पीछे के कारण विमान की अनुपलब्धता, हवाई क्षेत्र में पाबंदियां और अतिरिक्त सावधानी से की जा रही जांच बताई गई। एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला किसी तकनीकी खराबी की वजह से नहीं लिया गया। एअर इंडिया ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया और कहा कि उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं।

इस वर्ष ''राइज़िंग राजस्थान कॉन्क्लेव'' 11 व 12 दिसम्बर को होगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि कॉन्क्लेव में प्रदेश में आये औद्योगिक/आर्थिक बदलावों की विस्तृत जानकारी दी जायेगी

जयपुर, 17 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की अहम भूमिका है। पिछले वर्ष हुए इस आयोजन ने निवेश के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ और राजस्थान प्रमुख निवेश केन्द्र के रूप में उभरा है। इसी कड़ी में जयपुर में 11 व 12 दिसम्बर को आयोजित होने वाली ''राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025'' प्रदेश की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश साझेदारी को और मजबूत करेगी।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव का मुख्य लक्ष्य 2024 में हुए समिट में हस्ताक्षरित हुए एमओयू की प्रगति का विवरण पेश करना व 2026 में होने वाले समिट के लिए हमारा विज़न पेश करना है।**

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉन्क्लेव में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के दौरान हुए एमओयू की क्रियान्विति से प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक परिदृश्य में आए बदलावों के बारे में निवेशकों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि कॉन्क्लेव में सिटी टू सिटी, स्टेट टू स्टेट और इन्डस्ट्री टू इन्डस्ट्री के आधार पर राजस्थान एवं अन्य राज्यों तथा देशों के मध्य निवेश साझेदारी विकसित की जाए, जिससे प्रदेश के विकास को नए आयाम मिलें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव का प्रमुख लक्ष्य राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हस्ताक्षिरत हुए एमओयू की प्रगति का विवरण पेश करने के साथ ही, वर्ष 2026 के प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को लेकर हमारे विजन को प्रस्तुत करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉन्क्लेव से पूर्व राज्य सरकार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रनअप कार्यक्रमों के साथ ही, थीमेटिक विभागीय कार्यक्रमों का भी आयोजन करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को राइज़िंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कॉन्क्लेव में सिटी टु सिटी, स्टेट टु स्टेट और इन्डस्ट्री टु इन्डस्ट्री के आधार पर राजस्थान एवं अन्य राज्यों तथा देशों के मध्य निवेश साझेदारी विकसित की जाए।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि दो दिवसीय पार्टनरशिप कॉन्क्लेव में पैनल डिस्कशन, राउण्ड टेबल और फायरसाइट चैट के साथ ही, एंकर इन्वेस्टर्स सम्मेलनों का आयोजन प्रस्तावित है।

लगातार दूसरे दिन करोना के एक्टिव केस घटे

नयी दिल्ली, 17 जून। देश में पिछले तीन दिनों के दौरान करोना के सक्रिय मामलों में कमी देखी गयी है और मंगलवार सुबह तक सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 6836 रह गयी है। इससे पहले रविवार और सोमवार को कुल सक्रिय मामलों की संख्या क्रमश: 7383 और 7264 थी।

पिछले 24 घंटों के दौरान, करोना संक्रमण से एक और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 109 पहुंच गया और 428 मामले घटने के साथ कुल सक्रिय मामलों की

- **रविवार व सोमवार को करोना के एक्टिव केस क्रमशः 7383 और 7264 थे जो मंगलवार को घटकर 6836 रह गए।**

संख्या 6836 रह गयी। वहीं, 1168 मरीजों के स्वस्थ होने से अभी तक इस वायरस से निजात पाने वालों की कुल संख्या 14772 पहुंच गयी है। गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में महाराष्ट्र में कोरान संक्रमण से एक मरीज की मौत हुयी है।

इस अवधि में जहां 14 राज्यों और केन्दशासित प्रदेशों में करोना के मामलों में वृद्धि देखी गई, वहीं 11 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है।

ट्रंप जी 7 शिखर वार्ता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास ऐसा शक्तिशाली बम है, जिसे - 52 विमान द्वारा छोड़ा जा सकता है, लेकिन अब तक अमेरिका ने ईरान के खिलाफ इसका प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी थीं।

ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन में अपने सहयोगियों से कहा कि ईरान के पास अब भी बातचीत की मेज पर लौटने का विकल्प मौजूद है, ताकि एक नया परमाणु समझौता हो सके। लेकिन उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि सीमित संघर्ष विराम की कोई गुंजाइश नहीं है। या तो ईरान परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए तैयार हो, या फिर उसे कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

- **ट्रंप अब ईरान से ''डील'' करना चाहते हैं कि अगर ईरान ''नेगोशिएटिंग टेबल'' पर ''डील'' करने नहीं आता है तो अमेरिका इज़रायल को बी-52 विमान ईरान के खिलाफ काम में लेने की अनुमति दे देगा।**
- **अमेरिका का ईरान पर यह दबाव शायद चल जाएगा, ट्रंप को यह विश्वास है। इसीलिए ट्रंप गत कुछ दिनों से लगातार ईरान को बार-बार धमका रहे हैं।**
- **जी 7 शिखर सम्मेलन से ट्रंप की अचानक विदाई को चुपचाप स्वीकार करने के अलावा जी7 ग्रुप के अन्य सदस्यों के पास कोई चारा नहीं था।**

इज़राइल का मानना है कि ईरान उसके खिलाफ परमाणु हथियार विकसित कर रहा था, और इस आधार पर उसने आत्मरक्षा के अधिकार का हवाला देते हुए हमलों को उचित ठहराया है।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी स्वीकृति के बिना इज़राइल इतने व्यापक हमले नहीं कर सकता था। इन हमलों में ईरान की सुरक्षा और सैन्य कमान के सभी शीर्ष अधिकारी मारे गए हैं, जिससे ईरानी सुप्रीम लीडर खमेनी की दशकों पुरानी सत्ता को गंभीर झटका लगा है।

डॉनल्ड ट्रंप बीते कुछ दिनों से ईरान के खिलाफ आक्रामक बयानबाज़ी कर रहे थे और उन्होंने ''अभूतपूर्व परिणामों'' की चेतावनी दी थी यदि ईरान ने परमाणु हथियारों की दिशा में अपने प्रयास नहीं रोके। उन्होंने ईरानी शासन से कहा था कि यदि वह विनाशकारी अमेरिकी हमलों से बचना चाहता है, तो उसे तुरंत बातचीत की प्रक्रिया में लौटना होगा।

जी7 के अन्य नेताओं ने राष्ट्रपति ट्रंप के अचानक रवाना होने को स्वीकार किया। शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स, और वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए खतरे जैसे विषयों पर चर्चा प्रस्तावित थी।

शुरु से लग रहा था, पता नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

अगर ईरान ने इज़रायल को ही नहीं, पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका को सजा देने का सोचा तो इसके गंभीर नतीज़े हो सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ईरान ने पर्शियन खाड़ी को बंद करने की कोशिश की, जिससे तेल से लदे जहाजों का मार्ग अवरुद्ध हो, तो इससे वैश्विक तेल कीमतों में उछाल आ सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसा कदम मध्य पूर्व के तेल उत्पादक देशों को भी प्रभावित करेगा, क्योंकि उनके पास तेल निर्यात का कोई अन्य आसान रास्ता नहीं होगा।

जी7 की तत्काल चिंता का विषय यह भी है कि इस संघर्ष का असर रूस-यूक्रेन युद्ध पर कैसे पड़ेगा। जी7 देश रूसी तेल कीमतों पर सीमा निर्धारित कर रूस की आमदनी कम करना चाहते हैं, ताकि उसकी युद्ध क्षमता को कमजोर किया जा सके, क्योंकि तेल बेचकर रूस जो पैसा कमा रहा है, उससे ही युद्ध को फायनैंस कर रहा है।

लेकिन इसमें सबसे बड़ी बाधा खुद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप हैं, जो रूस पर और प्रतिबंध लगाने के इच्छुक नहीं दिखते। जी-7 देश भी ट्रंप के इस रूख को अच्छी तरह से समझते हैं।

ट्रंप की इकतरफा नीतियों और सहयोगियों की अनदेखी के चलते, पहले भी जी7 बैठकों में गतिरोध पैदा हुआ है। पिछली बार जब जी7 सम्मेलन कैनडा में हुआ था, ट्रंप ने संयुक्त घोषणा पत्र को समर्थन देने से इनकार कर दिया था और बाद में कथित तौर पर उस दस्तावेज को फाड़ भी दिया था। उस समय कैनडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो को उन्होंने ''कायर'' तक कह दिया था।

हालांकि इस बार फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जैसे नेता मौजूद हैं, जो पहले ऑवल ऑफिस में ट्रंप के सामने सीधे खड़े हो चुके हैं।

इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप इस बार बैठक पर कितना प्रभाव डालते हैं, और क्या कोई प्रभावी निर्णय लिए जा सकेंगे।

नाबालिग का अपहरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के चाचा ने 7 जुलाई, 2020 को प्रागपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी भतीजी 4 जुलाई को अपने घर के लिए रवाना हुई थी। रास्ते में उसे गांव के दो युवक मिले और पीड़िता को घर छोडने के बहाने बाइक पर बैठाकर ले गए। इस दौरान अभियुक्त नितिन भी रास्ते में मिला और वह भी उसने साथ-साथ गांव गया। भतीजी को घर छोड़ने के बजाए उसे धर्मशाला ले गए और तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद, उसे एक धार्मिक स्थल के तिबारे में रात भर रखा और दुष्कर्म किया। वहीं, सुबह उसे नशीला पेय पिलाकर वहां छोड़कर चले गए। रास्ते में बदहवास भतीजी को देखकर लोगों ने उसे फोन पर सूचना दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने डीएनए रिपोर्ट के आधार पर सिर्फ अभियुक्त नितिन के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश किया। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

कच्चे तेल के परिवहन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के माध्यम से, टैंकरों द्वारा उतारे गए कच्चे तेल की लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह संचालन से लाभ होगा।

यह आदेश ऐसे समय में आया है जब वैश्विक स्तर पर शैडो फ्लीट्स और विशेष रूप से रूसी कच्चे तेल के परिवहन पर निगरानी और कड़ी हो रही है। भारत द्वारा अपने स्वदेशी टैंकरों का निर्माण और संचालन इस दिशा में एक रणनीतिक बदलाव का संकेत देता है-जो विदेशी जहाज़ों पर निर्भरता घटाकर ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर संप्रभु नियंत्रण सुनिश्चित करना चाहता है।

हालांकि आलोचकों का कहना है कि भले ही यह टैंकर सरकारी नियंत्रण में बनेंगे, लेकिन इसका वास्तविक नियंत्रण धीरे-धीरे निजी हाथों में जा सकता है। इसके कारण सार्वजनिक संसाधनों के माध्यम से निजी एकाधिकार के बढ़ते खतरे और क्रोनी कैपिटलिज़्म (मित्र पूंजीवाद) की आशंका जताई जा रही है।

जहां एक ओर यह परियोजना स्वदेशी निर्माण, रोजगार और समुद्री क्षमता को बढ़ावा देती है, वहीं दूसरी ओर वित्तीय और परिचालन नियंत्रण का एक बड़ा हिस्सा रिलायंस और अडानी जैसे औद्योगिक दिग्गजों को जाता दिख रहा है।

भारत की इन्फ्रास्ट्रक्चर नीति में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि सरकारी पहलों और निजी एकीकरण के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है-यह ऐसी प्रवृत्ति है जिसकी तारीफ तो बनती है पर इसकी जांच भी की जानी चाहिए। जो प्रशंसा और जांच, दोनों की हकदार है।

'कुछ देर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाक के सशस्त्र तनाव के दौरान, बॉर्डर एरिया में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रभावित रही। वहीं, लाइब्रेरी आदि को भी बंद कर दिया गया, जिसके चलते अभ्यर्थी भी प्रभावित हुए। वहीं, एक्स सर्विसमैन कोटे में आवेदन करने वाले कई अभ्यर्थियों को पुनः ड्यूटी पर बुला लिया गया था। इसके चलते उन्हें भी अध्ययन का मौका नहीं मिला। याचिका में कहा गया कि आरपीएससी पूर्व में भी कई बार मुख्य परीक्षा को स्थगित कर चुका है। एक भर्ती में तो मुख्य परीक्षा की तिथि से दो दिन पूर्व ही भर्ती स्थगित की गई थी। ऐसे में अभ्यर्थियों के हितों को देखते हुए मंगलवार से होने वाली मुख्य परीक्षा को स्थगित किया जाए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908